नई दिल्ली
बुधवार
23 सितंबर 2026
वर्षः 13, अंकः 20
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

अक्षर की शानदार गेंदबाजी से भारत ने एकमात्र...पेज-06

DELHIN/2014/58158

बिहार गति के तहत 100 करोड़ से अधिक की...पेज-05

एक नजर

दिल्ली एसआईआर : नोटिस जारी करने के तरीके पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) मामले में सुनवाई करते हुए तार्किक विसंगतियों सम्बन्धी नोटिस जारी करने के तरीके पर चिंता जताई है। कोर्ट ने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि ये किसी मशीन से जारी किए गए हैं। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय बेंच ने मामले पर आज सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की। कोर्ट सामाजिक कार्यकर्ता अंजलि भारद्वाज की याचिका पर सुनवाई कर रहा था। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि तार्किक विसंगतियों के साथ जिन लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, उनकी विस्तृत जानकारी दी जानी चाहिए। मुख्य न्यायाधीश ने खुद का उदाहरण देते हुए कहा कि वे 2019 में चंडीगढ़ से दिल्ली आ गए। अब वे अगर दिल्ली में वोट डालेंगे और तार्किक विसंगति का नोटिस दिया जाएगा तो उसमें यह बताना जरूरी है कि इसका आधार क्या है? उन्होंने कहा कि बूथ लेवल अधिकारी को भी इस मामले में संवेदनशील और प्रशिक्षित होना चाहिए। इससे पहले 17 सितंबर को इसी मामले की मेंशनिंग के दौरान वकील प्रशांत भूषण ने सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच से कहा था कि दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान पहले ही 47 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची के बाहर कर दिए गए थे। अब निर्वाचन आयोग ने तार्किक विसंगति के तहत 33 लाख लोगों को नोटिस जारी किया है। प्रशांत भूषण ने कहा कि ये पूरी प्रक्रिया ही अस्पष्ट है। मेंशनिंग के दौरान प्रशांत भूषण ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने किस आधार पर वोटर लिस्ट से नाम काटे हैं। इसका खुलासा नहीं किया है जबकि इसका खुलासा निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर करने का नियम है। कुछ लोगों को नोटिस मिले हैं और कुछ लोगों को नोटिस नहीं मिले हैं। नोटिस में ये भी नहीं बताया जा रहा है कि उन्हें क्यों बुलाया जा रहा है। भूषण ने कहा कि वोटर को ये भी नहीं बताया जा रहा है कि उनका नाम तार्किक विसंगति में कैसे आया है। ये प्रक्रिया पूरे तरीके से अस्पष्ट है।

सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के बयान पर भारत का करारा जवाब

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने सिंधु जल संधि के बारे में तथाकथित मध्यस्थता अदालत के फैसले को लेकर पाकिस्तान के बयानों को दुर्भावनापूर्ण प्रचार और वास्तविकता को तोड़ मरोड़कर पेश करने की कोशिश करार दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को यहां मीडिया ब्रीफिंग में इस बारे में पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि दुर्भावनापूर्ण प्रचार के लिए तथ्यों को गलत तरीके से पेश करना और झूठ फैलाना पाकिस्तान की आदत है। प्रवक्ता ने कहा, ' पाकिस्तान को अपने दुर्भावनापूर्ण प्रचार के लिए तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने और झूठी बातें फैलाने की आदत है। सबसे पहले, जिसे पाकिस्तान के मंत्री बढ़ा-चढ़ाकर स्थायी मध्यस्थता अदालत का फैसला बता रहे हैं, वह वास्तव में उस अदालत का फैसला नहीं है बल्कि अवैध तरीके से गठित अदालत का है। ' उन्होंने कहा कि भारत इसे वास्तविकता को तोड़-मरोड़कर पेश करने की पाकिस्तान की एक और कोशिश के तौर पर देखता है।उन्होंने कहा,' इस मुद्दे पर हमारा रुख बिल्कुल स्पष्ट है और हम इसे कई बार दोहरा चुके हैं।' उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान ने इस तथाकथित अदालत के फैसले के बारे में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष को पत्र लिखकर जानकारी दी है।

एशियाई खेलः भारत ने श्रीलंका को 147 रन से हराकर जीता स्वर्ण पदक

भारतीय स्पिनरों ने बरपाया कहर, मात्र 69 रन पर सिमटी श्रीलंकाई टीम

आइची-नगोया,एजेंसी। स्मृति मंधाना और शेफाली वर्मा की शानदार बल्लेबाजी के बाद भारतीय स्पिनरों के कहर की बदौलत भारत ने मंगलवार को एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट फाइनल में श्रीलंका को 147 रन से हराकर लगातार दूसरी बार स्वर्ण पदक जीत लिया। यह मौजूदा एशियाई खेलों में भारत का पहला स्वर्ण पदक है। भारत के अब सात पदक हो गए हैं, जिसमें एक स्वर्ण, चार रजत और दो कांस्य शामिल हैं। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए थे। जवाब में श्रीलंका की टीम 15.4 ओवर में 69 रन पर ऑलआउट हो गई। 147 रन की जीत महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारत की रनों के लिहाज से सबसे बड़ी जीत भी है। इससे पहले भारत ने मलेशिया को 142 रन से हराया था। 217 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका की शुरुआत खराब रही। शेफाली वर्मा ने इमेशा दुलानी को तीन रन पर ऋचा घोष के हाथों स्टंप कराया। श्रीलंका का स्कोर 2.5 ओवर में 18 रन पर एक विकेट था। कप्तान चमारी अटापट्टू ने कुछ अच्छे शॉट लगाए और नंदिनी शर्मा तथा क्रांति गौड़ के ओवरों में दो-दो चौके लगाए।

हालांकि, शेफाली ने हसीनी परेरा को भी अपना शिकार बनाया। हसीनी बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में भारती फुलमाली के हाथों कैच हो गईं और खाता नहीं खोल सकीं। पावरप्ले के छह ओवर के बाद श्रीलंका का स्कोर दो विकेट पर 41 रन था। इसके बाद दीप्ति शर्मा ने श्रीलंका की कप्तान अटापट्टू को 21 गेंदों पर पांच चौकों की मदद से 29 रन के निजी स्कोर पर आउट कर दिया। इसके बाद भारतीय स्पिनरों ने श्रीलंका के बल्लेबाजी क्रम को पूरी तरह बिखेर दिया। श्रेयांका पाटिल ने हरशिता समरविक्रमा को खाता खोले बिना आउट किया, जबकि श्री चरणी ने हंसिमा करुणारत्ने को एक रन पर पवेलियन भेजा।

दीप्ति ने कविशा दिलहारी को 11 रन पर आउट किया। श्रीलंका का स्कोर 9.1 ओवर में छह विकेट पर 49 रन हो गया। इसके बाद श्री चरणी ने काव्या कविंदी को दो रन पर आउट किया। दीप्ति ने सुगंधिका कुमारी को तीन रन पर आउट कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया। 15वें ओवर में मिथिला अयोध्या ने रन आउट कर श्रीलंका का नौवां विकेट गिराया। इसके बाद श्रेयांका पाटिल ने आखिरी विकेट लेकर श्रीलंका की पारी 69 रन पर समेट दी। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा ने चार ओवर में छह रन देकर तीन विकेट लिए। श्री चरणी ने चार ओवर में 13 रन देकर दो विकेट लिए। शेफाली वर्मा ने दो ओवर में तीन रन देकर दो विकेट और श्रेयांका पाटिल ने 1.4 ओवर में नौ रन देकर दो विकेट हासिल किए।

इससे पहले भारत ने स्मृति मंधाना और ऋचा घोष की शानदार बल्लेबाजी के दम पर 216 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। मंधाना ने 45 गेंदों पर पांच चौकों और सात छक्कों की मदद से 79 रन बनाए। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 29 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 48 रन बनाए। मंधाना ने 10वें ओवर में अपना 37वां टी20 अंतरराष्ट्रीय अर्धशतक पूरा किया और इसी दौरान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 11,000 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं। कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 गेंदों पर 19 रन बनाकर आउट हुईं। अंत में ऋचा घोष ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए 22 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 49 रन बनाए। उनकी पारी की बदौलत भारत ने 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन बनाए, जो एशियाई खेलों के महिला क्रिकेट में अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। श्रीलंका की ओर से चमुदी प्रबोदा, कविशा दिलहारी और सुगंधिका कुमारी ने एक-एक विकेट लिया।

उपराष्ट्रपति ने किया भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह का शुभारंभ, कहा- जल सुरक्षा से होगी जन व राष्ट्र सुरक्षा

नई दिल्ली,एजेंसी। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को यहां 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह-2026 (आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू-2026) के उद्घाटन समारोह में कहा कि जल सुरक्षा से ही जन सुरक्षा और राष्ट्र सुरक्षा सुनिश्चित होगी तथा जल संसाधनों के सरंक्षण को जनभागीदारी से जन आंदोलन बनाने की आवश्यकता है।

उपराष्ट्रपति ने भारत मंडपम में 22 से 26 सितंबर तक चलने वाले आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू-2026 को संबोधित करते हुए कहा कि जल ही जीवन और सभ्यताओं का आधार है। उन्होंने इसके विवेकपूर्ण उपयोग, संरक्षण और प्रभावी प्रबंधन की आवश्यकता पर बल दिया। कार्यक्रम में केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल, जल शक्ति राज्यमंत्री वी सोमन्ना एवं राज भूषण चौधरी, जल शक्ति मंत्रालय की सचिव अर्चना वर्मा, पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के सचिव अशोक के. मीणा, केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष अनुपम प्रसाद सहित देश-विदेश के प्रतिनिधि और विशेषज्ञ मौजूद रहे। इस वर्ष आयोजन की विषय वस्तु- 'जलवायु अनुकूल जल प्रबंधन' है। राधाकृष्णन ने अपने बचपन के तमिलनाडु के अनुभवों को याद करते हुए कहा कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से जल संकट देखा है और लोगों तक पेयजल पहुंचाने के महत्व को महसूस किया है। उन्होंने कहा कि जल बचाना मानवता और पूरे विश्व के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि दो दशक से अधिक समय पहले उन्होंने तमिलनाडु में करीब 19 हजार किलोमीटर की रथ यात्रा की थी, जिसका एक उद्देश्य नदियों को जोड़ने, जल संरक्षण और जल संसाधनों

के उचित प्रबंधन को लेकर जागरुकता पैदा करना था। नदी जोड़ने की अवधारणा उन परिस्थितियों से निपटने में मदद कर सकती है, जहां एक क्षेत्र बाढ़ का सामना करता है जबकि दूसरे क्षेत्र में सूखे की स्थिति रहती है। उन्होंने कहा कि भारत के पास दुनिया के कुल भूभाग का करीब 2.4 प्रतिशत और दुनिया की आबादी का लगभग 18 प्रतिशत हिस्सा है, जबकि वैश्विक मीठे पानी के संसाधनों में भारत की हिस्सेदारी करीब चार प्रतिशत है। ऐसे में भारत की जल जरूरतों की तुलना उन देशों से नहीं की जा सकती, जहां जल उपलब्धता अधिक और आबादी कम है।

उपराष्ट्रपति ने राज्यों के बीच जल बंटवारे से जुड़े मामलों में सहयोग को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि जल से जुड़े विवादों और चुनौतियों का समाधान सहयोग से ही संभव है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि जल बंटवारे को लेकर अब अंतरराज्यीय सहयोग के लिए अब तक 10 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए हैं। उन्होंने छह राज्यों के बीच किशाऊ बहुउद्देश्यीय परियोजना को अंतरराज्यीय सहयोग का महत्वपूर्ण उदाहरण बताया।

कांग्रेस ने की असम में नेताओं पर हमले की स्वतंत्र जांच की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस ने असम के नगांव जिले में पार्टी नेताओं पर हुए हमले की निंदा करते हुए निर्वाचन आयोग से घटना की स्वतंत्र जांच कराने और कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों को निलंबित करने की मांग की है। पार्टी ने हमले में शामिल सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा जांच के निष्कर्षों को सार्वजनिक करने की भी मांग की है। कांग्रेस महासचिव डॉ. नसीर हुसैन ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि नगांव में चुनाव प्रचार के दौरान कांग्रेस नेताओं पर नकाबपोश लोगों ने हमला किया।

उन्होंने इसे विपक्षी नेताओं और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने का प्रयास बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाओं का उद्देश्य चुनाव के दौरान भय का माहौल पैदा करना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित करना है। उन्होंने कहा कि हमले में छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गौरव गोगोई समेत कई नेता शामिल थे। डॉ. हुसैन ने दावा किया कि हमलावरों के हाथों में काले झंडे थे और वे लोहे की छड़ों तथा अन्य हथियारों से लैस थे।

उन्होंने कहा कि असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन को पहले ही संभावित खतरे की जानकारी दे दी थी, लेकिन इसके बावजूद हिंसा रोकने के लिए पर्याप्त एहतियाती कदम नहीं उठाए गए। उन्होंने कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। कांग्रेस महासचिव ने निर्वाचन आयोग की भूमिका पर भी सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं पर हमले के बावजूद आयोग की ओर से कोई कार्रवाई नहीं की गई है। उन्होंने निर्वाचन आयोग से विपक्षी दलों के साथ भेदभाव नहीं करने और घटना की स्वतंत्र जांच के आदेश देने की मांग की। डॉ. हुसैन ने दावा किया कि हमले के दौरान दो पत्रकारों के साथ भी कथित तौर पर मारपीट की गई।

राज्यसभा की 11 सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव, बंगाल की एक सीट पर उपचुनाव, 16 अक्टूबर को मतदान

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने उत्तर प्रदेश की 10 और उत्तराखंड की एक राज्यसभा सीट के लिए द्विवार्षिक चुनाव तथा पश्चिम बंगाल की एक सीट के लिए उपचुनाव का कार्यक्रम मंगलवार को घोषित किया। सभी 12 सीटों के लिए 16 अक्टूबर को मतदान होगा और उसी दिन शाम पांच बजे से मतगणना होगी। आयोग के अनुसार, उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड की 11 राज्यसभा सीटों के मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 25 नवंबर को समाप्त हो रहा है। इनमें उत्तर प्रदेश की 10 सीटें और उत्तराखंड की एक सीट शामिल है।

उत्तर प्रदेश से जिन सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो रहा है, उनमें केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और समाजवादी पार्टी के रामगोपाल यादव के अलावा अरुण सिंह, बृजलाल, बीएल वर्मा, नीरज शेखर, गीता उर्फ चंद्रप्रभा, रामजी, सीमा और दिनेश शर्मा शामिल हैं।

त्योहारी सीजन में हवाई किराये पर कोई सीमा तय नहीं, एयरलाइंस को किराया उचित रखने की सलाह

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने मंगलवार को कहा कि सरकार आने वाले त्योहारों के मौसम में हवाई किराए की कोई सीमा तय नहीं करेगी, लेकिन एयरलाइंस कंपनियों को किराया उचित रखने की सलाह देगी। उन्होंने कहा कि ईंधन की लागत बढ़ने के कारण विमानन कंपनियों का परिचालन खर्च बढ़ गया है। नागरिक उड्डयन मंत्री ने क्षेत्रीय हवाई संपर्क को बढ़ावा देने वाली 'उड़ान' योजना के अगले चरण के लिए समझौतों पर हस्ताक्षर के मौके पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए यह बात कही। नायडू ने बताया कि सरकार ने पहले भी त्योहारों या अहम मौकों पर कीमतों की स्थिति को संभाला है। उन्होंने कहा कि सरकार त्योहारी मौसम और महत्वपूर्ण आयोजनों के दौरान हवाई किराये की स्थिति पर नजर रखती है और एयरलाइन कंपनियों के साथ लगातार संपर्क में रहती है।

नागर विमानन मंत्री इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या सरकार आगामी त्योहारी सीजन को देखते हुए हवाई

किराये पर किसी तरह की कोई सीमा लगाएगी। नायडू ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट के कारण विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतें बढ़ गई हैं। यह ईंधन किसी भी एयरलाइन के परिचालन खर्च का बड़ा हिस्सा होता है। उन्होंने कहा कि एटीएफ हवाई किराये का 40 से 43 फीसदी होता है और ईंधन की कीमत में मामूली बढ़ोतरी भी टिकट के दाम को सीधे प्रभावित करती है। नायडू ने कहा कि यह जरूरी नहीं कि त्योहारी समय या किसी अन्य वजह से हो, बल्कि मौजूदा संकट की स्थिति भी इसका कारण है। नागर विमानन मंत्री ने कहा कि हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत संचालित उड़ानों की सुरक्षा व्यवस्था की व्यापक समीक्षा कर उसे मजबूत किया गया है, ताकि भविष्य में कोई चूक न हो। नायडू ने कहा कि 4 सितंबर को दिल्ली हवाई अड्डे पर हुई सुरक्षा चूक के मामले में नागर विमानन मंत्रालय ने एयर इंडिया को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और संबंधित कर्मचारियों को निलंबित कर दिया गया है। नायडू ने कहा कि सुरक्षा से किसी तरह का समझौता नहीं किया जा सकता है। इसके साथ अंतरराष्ट्रीय यात्रियों के लिए यात्रा को सुविधाजनक बनाना भी जरूरी है। यहीं पर हब-एंड-स्पोक मॉडल वाला परिचालन वजूद में आता है। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक विमानन केंद्र बनाने के लिए हब-एंड-स्पोक मॉडल महत्वपूर्ण है। मंत्री ने कहा कि इस मॉडल के तहत तीन शहरों में हवाई परिचालन शुरू किया गया था और सुरक्षा चूक सामने आने के बाद मंत्रालय ने तत्काल कार्रवाई की गई।

एसआईआर नोटिस का मतलब वोटर लिस्ट से नाम हटना नहीं, दस्तावेज पेश करने का पूरा मौका मिलेगा : दिल्ली सीईओ

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के तहत जारी नोटिसों को लेकर दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) ने स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि मतदाताओं को अपना पक्ष रखने और आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने का पूरा अवसर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नोटिस जारी होने का अर्थ यह नहीं है कि संबंधित मतदाता का नाम मतदाता सूची से हटा दिया गया है।

दिल्ली सीईओ ने मंगलवार को प्रेस नोट करते हुए कहा कि ड्राफ्ट मतदाता सूची मतदाताओं द्वारा गणना फॉर्म के माध्यम से बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को दी गई जानकारी के आधार पर तैयार की गई। यह दिल्ली सीईओ

की वेबसाइट, संबंधित विधानसभा क्षेत्रों के निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी और सहायक निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी के कार्यालयों तथा सभी निर्धारित मतदान केंद्र स्थलों पर उपलब्ध है। नागरिक इसे ऑनलाइन देख और डाउनलोड कर सकते हैं और निर्वाचन आयोग के मतदाता खोज पोर्टल के माध्यम से अपना नाम भी देख सकते हैं। एएसडीडी मतदाताओं की सूची भी उपलब्ध घर-घर जाकर किए गए सत्यापन के दौरान बीएलओ ने मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों द्वारा नियुक्त बूथ लेवल एजेंटों के साथ परामर्श करके अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत और दोहरे मतदाताओं (एएसडीडी) मतदाताओं की सूची तैयार की है। यह सूची भी सीईओ की वेबसाइट पर उपलब्ध है। नोट के मुताबिक, ड्राफ्ट मतदाता सूची में ऐसे मतदाता भी शामिल हैं, जिन्होंने पिछले विशेष गहन पुनरीक्षण की मतदाता सूची में अपने या अपने पूर्वजों के नाम से स्वयं को जोड़ा या लिंक किया। इसमें ऐसे मतदाता भी शामिल हैं जो पिछली विशेष गहन पुनरीक्षण मतदाता सूची से अपना लिंक स्थापित नहीं कर सके थे।

अमेरिका का शक्तिशाली लड़ाकू विमान पहली बार युद्धाभ्यास करने भारत आएगा

जोधपुर में 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होगा बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति'

नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय वायु सेना की मेजबानी में बहुराष्ट्रीय हवाई अभ्यास 'तरंग शक्ति' में इस बार भी दुनिया के फाइटर जेट आसमान में उड़ान भरेंगे, जिसमें अमेरिका का पांचवीं पीढ़ी का एफ-35 लड़ाकू विमान होगा। वैसे तो भारत की वायु सेना एफ-35 के साथ विदेशों में कई बार एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज में हिस्सा ले चुकी है लेकिन यह पहला मौका है, जब अमेरिका का यह शक्तिशाली विमान हवाई युद्धाभ्यास में शामिल होने भारत आ रहा है। इस अभ्यास में 40 से ज्यादा देश हिस्सा लेंगे, जिसमें भारतीय वायु सेना अपने सभी प्रमुख एयरक्राफ्ट तैनात करेगी, जिनमें फ्रंटलाइन राफेल और सुखोई-30 फाइटर जेट शामिल हैं।

राजस्थान के जोधपुर में 26 सितंबर से 12 अक्टूबर तक होने वाली मल्टीनेशनल एक्सरसाइज 'तरंग शक्ति' के दूसरे संस्करण में 07 देश अपने विमानों के साथ हिस्सा लेंगे। इसमें अमेरिका अपने 2-3 एफ-35

कॉम्बैट एयरक्राफ्ट के साथ, फ्रांस अपने राफेल के साथ और यूएई अपने एफ-16 के साथ शामिल होंगे, जबकि कई अन्य देश ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट जैसे अपने एयरक्राफ्ट के साथ हिस्सा लेंगे। इसके अलावा 32 मित्र देशों की वायु सेनाएं पर्यवेक्षक के तौर पर इस अभ्यास का हिस्सा बनेगी। यह एक्सरसाइज जोधपुर एयरबेस पर भारत-जापान की 'वीर गार्डियन' अभ्यास के ठीक बाद हो रही है। वायु सेना के वाइस चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस में मल्टीनेशनल एक्सरसाइज 'तरंग शक्ति' के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारतीय वायु सेना के एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल एयरक्राफ्ट, ट्रांसपोर्ट प्लेन और हवा में ईंधन भरने वाले टैंकर जैसे एयरक्राफ्ट भी इस ड्रिल में हिस्सा लेंगे। उन्होंने कहा कि कई सालों तक हमने विदेशी एयर फोर्स के साथ ऑपरेशनल एक्सरसाइज की और हमने पार्टनर के साथ ऑपरेट करना सीखा। अब 'तरंग शक्ति' ने उस सोच को बदल दिया है और 2024 में हम पिछले संस्करण में पहली बार कई एयर फोर्स को एक साथ लाये और अब हम उस अनुभव के साथ आगे बढ़ना चाहते हैं, जिससे 'तरंग शक्ति' अगला तार्किक कदम बन जाएगा। उन्होंने बताया कि इस साल 65 मित्र देशों को आमंत्रण भेजे गए हैं लेकिन जैसा कि आप जानते हैं कि हमारे आसपास की दुनिया बहुत तेजी से बदल रही है। युद्ध का नेचर बदल रहा है इसलिए रूस और इजराइल जैसे देशों ने इस अभ्यास में आने पर सहमति नहीं दी है। हाल के संघर्षों ने प्रिसिजन, इंटीग्रेटेड डिफेंस, अनमैन्ड सिस्टम, इन्फॉर्मेशन डोमिनेंस, स्पेस-इनेबल्ड कैपेबिलिटी और इन सभी को एक मल्टी-डोमेन ऑपरेशन में एक साथ लाने की एबिलिटी के महत्व को दिखाया है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमारे लिए इनमें से कई रियलिटी को और मजबूत किया है। इसने इंटेलिजेंस-लेड ऑपरेशन्स, प्रिसिजन, इंटीग्रेटेड एयर और मिसाइल डिफेंस, काउंटर यूएएस और डोमेन में जॉइंटनेस के महत्व को दिखाया है। वाइस चीफ दीक्षित ने मल्टीनेशनल एक्सरसाइज 'तरंग शक्ति' की जानकारियों से इतर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट मार्क-1 ए के बारे में एक सवाल के बारे में कहा कि एचएएल ने पहले ही मामला साफ कर दिया है कि शुरू में हमें काफी इंजन नहीं मिल पाए।

दिल्ली में गणेश विसर्जन के लिए विशेष प्रबंध, पुरानी व खंडित मूर्तियों के निस्तारण को विशेष 'संग्रह केंद्र' स्थापित

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सरकार ने गणेश विसर्जन के लिए विशेष प्रबंध और पुरानी एवं खंडित धार्मिक मूर्तियों और पूजा सामग्री के निस्तारण के लिए 110 चिन्हित स्थानों पर विशेष 'संग्रह केंद्र' स्थापित कर रही है। इसके साथ ही गणेश विसर्जन के लिए दिल्ली में 81 चिन्हित स्थानों पर कृत्रिम विसर्जन तालाबों की तैयारी पूरी कर ली गई है। गणेश विसर्जन के लिए सभी 13 जिलों में पुख्ता व्यवस्था की गई है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि अक्सर पुरानी या खंडित मूर्तियों और पूजा-पाठ से संबंधित सामग्री को लोग धार्मिक भावनाओं के कारण पेड़ों के नीचे, पार्कों, सड़क किनारे या अन्य सार्वजनिक स्थानों पर रख देते हैं। इससे एक ओर धार्मिक आस्था जुड़ी होती है, दूसरी ओर सार्वजनिक स्थानों की स्वच्छता और पर्यावरण से जुड़ी चुनौती भी सामने आती हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार द्वारा 110 स्थानों की सूची तैयार की गई है, जहां विशेष 'संग्रह केंद्र' स्थापित किए जा रहे है। मंदिरों सहित विभिन्न उपयुक्त स्थानों पर उपलब्ध इन पात्रों में श्रद्धालु पुरानी, खंडित या धार्मिक सामग्री को सम्मानपूर्वक जमा कर सकेंगे। इस व्यवस्था से लोगों को अपने आसपास ही धार्मिक सामग्री के लिए एक स्वच्छ, व्यवस्थित और सम्मानजनक विकल्प उपलब्ध होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी विचार को आगे बढ़ाते हुए गणेश उत्सव के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल विसर्जन की सुविधा देने के लिए 81 चिन्हित स्थानों पर कृत्रिम विसर्जन तालाबों की तैयारी पूरी कर ली गई है। इनमें दिल्ली के विभिन्न जिलों में निर्धारित स्थान शामिल हैं। गणेश विसर्जन की तैयारियों में सुरक्षा, स्वच्छता, लाइट, चिकित्सा, आपातकालीन व्यवस्था, ट्रैफिक प्रबंधन और पर्यावरणीय सुरक्षा जैसे पहलुओं को भी शामिल किया गया है। मुख्यमंत्री ने सभी श्रद्धालुओं से अपील की है कि गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित कृत्रिम विसर्जन स्थलों पर ही किया जाए। यमुना नदी या अन्य जल निकायों में प्रतिमाओं का विसर्जन न किया जाए। इसी तरह पूजा सामग्री, फूल-माला और अन्य धार्मिक सामग्री को भी नदियों या जलाशयों में न डालने की अपील की गई है, ताकि धार्मिक आस्था के साथ-साथ दिल्ली के जल निकायों की स्वच्छता और पर्यावरण की भी रक्षा की जा सके। इसी के साथ मुख्यमंत्री ने श्रद्धालुओं से पर्यावरण-अनुकूल मूर्तियों को प्राथमिकता देने और प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी), हानिकारक रसायनों वाले रंगों और ऐसे सजावटी सामान के इस्तेमाल से बचने की अपील की है, जो जल एवं पर्यावरण को नुकसान पहुंचा सकते हैं। गणेश विसर्जन को व्यवस्थित बनाने के लिए सभी 13 राजस्व जिलों में संबंधित विभागों के बीच समन्वय के साथ तैयारियां की गई हैं। विसर्जन स्थलों पर श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। विसर्जन के बाद प्रतिमाओं के अवशेष और अन्य सामग्री को निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार हटाने तथा स्थलों की सफाई की व्यवस्था भी की जाएगी, ताकि उत्सव के बाद सार्वजनिक स्थान स्वच्छ बने रहें।

दिल्ली हिंसा : शरजील इमाम को चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली के कड़कड़डूमा कोर्ट ने दिल्ली हिंसा की साजिश रचने के आरोपित शरजील इमाम को अपने चचेरे भाई की शादी में शामिल होने के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। कोर्ट ने शरजील इमाम को 4 अक्टूबर से 10 अक्टूबर तक अंतरिम जमानत दी है।

इसके पहले भी 9 मार्च को कोर्ट ने शरजील इमाम को अपने छोटे भाई की शादी में शामिल होने के लिए दस दिनों की अंतरिम जमानत दी थी। शरजील इमाम ने दिल्ली उच्च न्यायालय में जमानत याचिका दायर कर रखी है। शरजील की जमानत याचिका पर 30 सितंबर को सुनवाई होगी। पांच जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिकाएं खारिज कर दी थीं। 5 जनवरी को उच्चतम न्यायालय ने जिन पांच आरोपितों को जमानत दी थी, उनमें गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर, शिफा उर रहमान, शादाब अहमद और मोहम्मद सलीम खान शामिल हैं। उसके बाद उच्चतम न्यायालय ने 22 मई को आरोपित खालिद सैफी और तसलीम अहमद को छह महीने की अंतरिम जमानत दी। इस मामले के चार आरोपितों को पहले ही जमानत मिल चुकी है। जिन आरोपितों को पहले जमानत मिल चुकी है उनमें सफूरा जरगर, आसिफ इकबाल तान्हा, देवांगन कलीता और नताशा नरवाल शामिल हैं। इस मामले में 18 आरोपितों के खिलाफ यूएपीए के तहत दर्ज मामले में चार्जशीट दाखिल की गई है। इस मामले में जिन लोगों को आरोपित बनाया गया है उनमें सफूरा जरगर, ताहिर हुसैन, उमर खालिद, खालिद सैफी, इशरत जहां, मीरान हैदर, गुलफिशा, शफा उर रहमान, आसिफ इकबाल तान्हा, शादाब अहमद, तसलीम अहमद, सलीम मलिक, मोहम्मद सलीम खान, अतहर खान, शरजील इमाम, फैजान खान, नताशा नरवाल और देवांगन कलीता शामिल हैं।

डीटीसी हड़ताल पर रोक की मांग को लेकर दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दाखिल

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) की हड़ताल पर रोक की मांग करने वाली एक याचिका दिल्ली उच्च न्यायालय में दायर की गई है। मुख्य न्यायाधीश डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच इस याचिका पर कल यानि 23 सितंबर को सुनवाई कर सकती है।

एक वकील अमी सिसोदिया ने याचिका दायर की है। याचिका में डीटीसी के कर्मचारियों की चल रही हड़ताल से यात्रियों को हो रही परेशानी पर चिंता जताई गई है। याचिका में कहा गया है कि सार्वजनिक बसों के परिचालन से जुड़े ड्राइवर, कंडक्टर और दूसरे कर्मचारी अपनी सैलरी और दूसरी सुविधाओं को बढ़ाने की मांग को लेकर 15 सितंबर से हड़ताल पर हैं। याचिका में दिल्ली में डीटीसी का परिचालन तुरंत बहाल करने, उनके रखरखाव और बेरोकटोक परिचालन आगे भी जारी रखने के लिए निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा है कि महिलाओं के लिए मुफ्त सार्वजनिक परिवहन की सुविधा न होने के कारण, उन्हें आने-जाने के लिए महंगे दूसरे साधनों का इस्तेमाल करना पड़ रहा है। याचिका में कहा गया है कि इस हड़ताल का असर दिल्ली-एनसीआर के लाखों निवासियों, छात्रों, दिहाड़ी मजदूरों, वेतनभोगी कर्मचारियों, बुजुर्गों, दिव्यांगों, मरीजों और आर्थिक रूप से कमजोर यात्रियों पर पड़ रहा है, जो सस्ते पब्लिक ट्रांसपोर्ट पर निर्भर हैं। याचिका में यह भी कहा गया है कि हड़ताल की वजह से यात्रियों का दबाव दिल्ली मेट्रो पर बढ़ गया है।

दिल्ली मंडल में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल के लिए बहुआयामी पहल

नई दिल्ली,एजेंसी। उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल ने रेलवे स्टेशनों, कार्यस्थलों और रेलवे आवासीय कॉलोनियों में स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने तथा जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत जल भंडारण, निस्पंदन, वितरण नेटवर्क और पेयजल सुविधाओं के रखरखाव पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दिल्ली मंडल के अनुसार, जल भंडारण एवं निस्पंदन टैंकों की व्यापक सफाई और आवश्यक अवसंरचना उन्नयन का कार्य किया जा रहा है। सभी जल भंडारण टैंकों को उपयुक्त ढक्कनों और संरक्षित वेंट्स से सुसज्जित करने की व्यवस्था की जा रही है, ताकि बाहरी प्रदूषण को रोका जा सके। इसके साथ ही जल वितरण नेटवर्क में रिसाव की जांच कर क्षतिग्रस्त पाइपों, नलों और वाल्वों की मरम्मत एवं आवश्यकता के अनुसार प्रतिस्थापन किया जा रहा है।

मंडल ने पेयजल और गैर-पेयजल उपयोगिता लाइनों के बीच पूर्ण पृथक्करण सुनिश्चित करने की प्रक्रिया भी शुरू की है, ताकि

जल के दूषित होने की किसी भी संभावना को रोका जा सके। स्टेशनों पर वाटर कूलरों और वाटर वेंडिंग मशीनों से जुड़ी आरओ शुद्धिकरण इकाइयों के फिल्टर कैंडल एवं कार्ट्रिज की नियमित सर्विसिंग, ओवरहॉलिंग तथा आवश्यकता के अनुसार बदलाव किया जा रहा है। स्टेशनों पर वाटर कूलरों और यात्रियों के लिए जल वितरण केंद्रों के आसपास नियमित स्वच्छता एवं रखरखाव अभियान चलाए जा रहे हैं। वहीं, रेलवे के चिकित्सा कर्मियों और इंजीनियरिंग टीमों द्वारा जल गुणवत्ता की नियमित जांच की जा रही है। जल में अवशिष्ट क्लोरीन की दैनिक निगरानी भी सुनिश्चित की गई है। मंडल की रेलवे कॉलोनियों, स्वास्थ्य इकाइयों और कार्यालयों में भी स्वच्छता, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा अवसंरचना रखरखाव के समान मानक लागू किए जा रहे हैं। प्रमुख रेलवे कॉलोनियों में ओवरहेड जल टैंकों और भूमिगत जलापूर्ति पाइपलाइनों का निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार रखरखाव एवं जल गुणवत्ता ऑडिट किया जा रहा है। सुधारात्मक कार्रवाइयों का संकलन और उनकी निगरानी मंडल स्तर पर की जा रही है। इस संबंध में दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश रमण त्रिपाठी ने कहा कि सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल की निर्बाध उपलब्धता दिल्ली मंडल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। उन्होंने कहा कि निरंतर निगरानी और कठोर रखरखाव प्रक्रियाओं के माध्यम से प्रतिदिन लाखों यात्रियों तथा रेलवे परिवार के सदस्यों को स्वच्छ एवं सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मंडल प्रतिबद्ध है।

वैदिक मंत्रोच्चार और हवन-पूजन के साथ खुला डूसू कार्यालय, नए अभाविप पदाधिकारियों ने संभाला कार्यभार

नई दिल्ली। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) की जीत के बाद नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने मंगलवार को नॉर्थ कैंपस स्थित डूसू सचिवालय का औपचारिक उद्घाटन किया। नए कार्यकाल का शुभारंभ भारतीय परंपरा और मूल्यों के अनुरूप वैदिक मंत्रोच्चार, विधि-विधान और हवन-पूजन के साथ किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कॉलेजों से आए छात्र-छात्राओं और कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा परिसर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम्' के नारों से गूंज उठा। छात्रसंघ प्रतिनिधियों ने कहा कि यह शुरुआत सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर रचनात्मक और सकारात्मक छात्र राजनीति की दिशा में एक नया कदम है। अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा कि हवन-पूजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि 'ज्ञान, शील और एकता' के मूल मंत्र पर आधारित अभाविप की वैचारिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जहाँ कुछ ताकतें परिसर में नकारात्मकता और अराजकता फैलाने का प्रयास करती हैं, वहीं अभाविप का छात्र नेतृत्व भारतीय संस्कृति के मूल्यों के साथ सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रतिबद्ध है। डूसू के नवनिर्वाचित अध्यक्ष यश डबास ने छात्रों के जनादेश को बड़ी जिम्मेदारी बताते हुए कहा, 'विश्वविद्यालय के छात्रों ने जो विश्वास हम पर जताया है, उसे हम पूरी निष्ठा से निभाएंगे। सत्य निकेतन सहित नॉर्थ और साउथ कैंपस में छात्राओं की सुरक्षा तथा परिसरों का 'सेफ्टी ऑडिट' हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए विश्वविद्यालय प्रशासन से त्वरित कदम उठाने की मांग की जाएगी। डूसू पूरी तरह से एक्शन मोड में है और सभी चुनावी वादों को धरातल पर उतारा जाएगा।'

एमसीडी ने प्रवर्तन अभियान के तहत 42 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की

सद्भावना टुडे,संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने अनधिकृत निर्माण, खतरनाक भवनों तथा दिल्ली के मास्टर प्लान (एमपीडी) और भवन उपविधियों के उल्लंघन के विरुद्ध शहरव्यापी प्रवर्तन अभियान जारी रखा है। निगम द्वारा जन सुरक्षा और भवन मानदंडों का अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए सभी 12 क्षेत्रों में सख्त कार्रवाई की जा रही है।

निगम के अनुसार, मंगलवार को चलाए गए विशेष प्रवर्तन अभियान के दौरान सभी 12 क्षेत्रों में 42 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गईं। इसके अलावा भवन संबंधी मानदंडों के उल्लंघन पर 7 संपत्तियों को सील किया गया, जबकि 3 ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए गए। निगम ने बताया कि चिन्हित उल्लंघनों के विरुद्ध निर्धारित नियमों और विनियमों के अनुसार कार्रवाई की गई। इससे पहले सोमवार को भी एमसीडी ने व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया था। इस दौरान एमपीडी और भवन उपविधियों के उल्लंघन के मामले में 44 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण किया गया तथा 11 संपत्तियों को सील किया गया। मंगलवार को चलाए गए अभियान के दौरान संत नगर, न्यू अशोक नगर, लक्ष्मी नगर, तेलीवाड़ा, शाहदरा, गीता कॉलोनी, राम नगर, जगतपुर, सोनिया विहार, दिलशाद गार्डन, देव नगर, बापा नगर, फैज रोड, सेक्टर-

14 द्वारका, पालम फार्म्स, अवंतिका, सेक्टर-1 रोहिणी और शकूरपुर समेत दिल्ली के विभिन्न इलाकों में प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई। एमसीडी ने कहा कि उसके अधिकार क्षेत्र में अनधिकृत निर्माण और भवन मानदंडों का उल्लंघन स्वीकार नहीं किया जाएगा। निगम ने सभी क्षेत्रीय अधिकारियों को कड़ी निगरानी बनाए रखने और एमपीडी, भवन उपविधियों तथा अन्य संबंधित नियमों के प्रावधानों के तहत उल्लंघनों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। निगम के अनुसार, सभी 12 क्षेत्रों में यह प्रवर्तन अभियान आगे भी जारी रहेगा। अभियान के तहत अनधिकृत निर्माण, खतरनाक भवनों तथा जन सुरक्षा के लिए जोखिम उत्पन्न करने वाले अन्य उल्लंघनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

'नमो सेवा की अनकही कहानियां' का दिल्ली में 1,250 स्थानों पर होगा मंचन : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली। संकल्प सेवा अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रेरक जीवन, उपलब्धियों व उनके विकसित भारत से जुड़े आग्रहों का 'नमो सेवा की अनकही कहानियां' नुक्कड़ नाटक श्रृंखला के जरिए आज से दिल्ली भर में मंचन शुरू किया जा रहा है। कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग के अंतर्गत साहित्य कला परिषद द्वारा दिल्ली के लगभग 1,250 स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने मंगलवार को दिल्ली सचिवालय में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी।

मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का जीवन और उनकी कार्यशैली हर वर्ग के लिए प्रेरणा और संदेश हैं। नाटकों के जरिये स्वच्छता ही सेवा, वोकल फॉर लोकल, बेटियों की शिक्षा जैसे उद्देश्यों का आग्रह होगा साथ ही प्रधानमंत्री जी के 25 वर्षों के सेवा, सुशासन और राजनीतिक शुचिता से भरे कार्यकाल में लोगों का जीवन बदलने और बेहतर करने वाले फैसलों का भी मंचन होगा। गरीब एवं किसान कल्याण की योजनायें जैसे पीएम आवास, एसबीएम शौचालय, सौभाग्य योजना, उज्जवला योजना, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि, जल जीवन मिशन की जानकारी दी जाएगी। मुद्रा लोन और स्टार्ट अप इंडिया जैसे महिला एवं युवा सशक्तिकरण के कदम, भारत की अभेद्य सुरक्षा और विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कहानी भी लोग देखेंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के देशहित में लिए ऐतिहासिक फैसलों से देश और दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता के उनके सफर की भी लोगों को झलक मिलेगी। साथ ही उनके जीवन की अन्य कम चर्चित एवं प्रेरणादायी कहानियों का भी मंचन होगा। मंत्री ने कहा कि सेवा, स्वच्छता और देश के विकास से जुड़े कार्यों तथा योजनाओं की जानकारी आम नागरिकों तक सरल और प्रभावी माध्यम से पहुंचाने के लिए यह श्रृंखला तैयार की गई है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि अभियान के तहत दिल्लीभर में लगभग 30 से 35 नुक्कड़ नाटक टीमें एक साथ विभिन्न स्थानों पर प्रस्तुतियां देंगी।

नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म का एक आरोपित मुठभेड़ में घायल

नई दिल्ली,एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के कालकाजी मंदिर के पास स्थित आस्था कुंज पार्क में किशोरी से तीन युवकों द्वारा कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि तीनों युवकों ने खुद को पुलिसकर्मी बताकर किशोरी और उसके दोस्त को पार्क के गेट नंबर सात के पास रोका और दोनों को अलग कर दिया। इसके बाद किशोरी को पार्क के सुनसान हिस्से में ले जाया गया, जहां एक आरोपित आसिफ ने पिस्टल और चाकू दिखाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसके दो साथियों ने भी किशोरी के साथ यौन अपराध किया। पुलिस ने मामले में आसिफ को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ में उसके पैर में गोली लगी है। पुलिस के अनुसार, रविवार रात करीब 8:45 बजे पीसीआर को कालकाजी मंदिर के पास दुष्कर्म की सूचना मिली। सूचना मिलते ही अमर कॉलोनी थाने के एसएचओ पुलिस टीम के साथ आस्था कुंज पार्क पहुंचे। वहां किशोरी अपने दोस्त के साथ मिली। किशोरी के बयान के अनुसार, दोनों शाम करीब सात बजे कालकाजी मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे थे। इसके बाद वे आस्था कुंज पार्क में गेट नंबर सात से दाखिल हुए। किशोरी ने पुलिस को बताया कि पार्क में तीन युवकों ने खुद को पुलिसकर्मी बताया और उसे उसके दोस्त से अलग कर दिया। आरोप है कि इसके बाद वे उसे पार्क के सुनसान हिस्से में ले गए। वहां आसिफ ने हथियार और चाकू दिखाकर उसके साथ दुष्कर्म किया, जबकि उसके दो साथियों ने भी उसके साथ यौन अपराध किया। घटना के बाद आरोपितों ने किशोरी और उसके दोस्त को किसी को जानकारी देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी। पुलिस ने किशोरी की एम्स में चिकित्सकीय जांच कराई। मौके पर अपराध टीम और एफएसएल टीम को बुलाकर साक्ष्य जुटाए गए। किशोरी के बयान के आधार पर अमर कॉलोनी थाने में मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की कई टीमें गठित की गईं। इसी दौरान दक्षिण-पूर्वी जिले की स्पेशल स्टाफ टीम को सूचना मिली कि आसिफ अमर कॉलोनी में डीएम कार्यालय रोड के पास आने वाला है। इंस्पेक्टर राजेंद्र डागर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वहां घेराबंदी कर उसे रोकने का प्रयास किया। पुलिस के मुताबिक, खुद को घिरा देखकर आसिफ ने पुलिस टीम पर तीन गोलियां चलाईं। पुलिस ने उसे आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन उसने फायरिंग जारी रखी। इस दौरान एक गोली हेड कांस्टेबल राजेश की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी।

संपत्ति कर निर्धारण के लिए एमसीडी ने शुरु किया ड्रोन आधारित 3डी सर्वेक्षण

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने राजधानी में संपत्ति कर निर्धारण प्रणाली को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं आधुनिक बनाने के उद्देश्य से ड्रोन आधारित जीआईएस और 3डी डिजिटल ट्विन सर्वेक्षण की पायलट परियोजना शुरू की है। परियोजना के पहले चरण में रोहिणी जोन (उत्तर-पश्चिम जोन) के रोहिणी एफ वार्ड तथा शाहदरा दक्षिण जोन (पूर्वी जोन) के घरोली वार्ड में ड्रोन आधारित सर्वेक्षण किया जा रहा है। एमसीडी के अनुसार, इस पायलट परियोजना के माध्यम से ड्रोन/हवाई सर्वेक्षण, लिडार आधारित मैपिंग, जीआईएस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), मशीन लर्निंग (एमएल), जियो-टैगिंग और 3डी डिजिटल मॉडलिंग जैसी आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जाएगा। इसका उद्देश्य दिल्ली की संपत्तियों का अधिक सटीक और एकीकृत डिजिटल डेटाबेस तैयार करना है।

इस तकनीकी सर्वेक्षण से ऐसी संपत्तियों की पहचान करने में मदद मिलेगी, जिनका अभी तक संपत्ति कर के लिए निर्धारण नहीं हुआ है या जिनका निर्धारण वास्तविक स्थिति की तुलना में कम है। इसके अलावा गलत तरीके से मैप की गई अथवा डुप्लीकेट संपत्ति प्रविष्टियों की पहचान और मौजूदा रिकॉर्ड में दर्ज नहीं की गई अतिरिक्त मंजिलों या

निर्माण की जानकारी जुटाने में भी सहायता मिलेगी। ड्रोन और जीआईएस आधारित सर्वेक्षण से घोषित तथा वास्तविक निर्मित क्षेत्र के बीच अंतर का आकलन भी किया जा सकेगा। 3डी डेटा के माध्यम से संपत्ति के निर्मित क्षेत्र, मंजिलों की संख्या और उपयोग की श्रेणी जैसे मानकों का अधिक वैज्ञानिक और एकरूप तरीके से आकलन करने में मदद मिलेगी। इससे मैनुअल भौतिक निरीक्षण पर निर्भरता भी कम होने की उम्मीद है। एमसीडी के मुताबिक, एकीकृत डिजिटल प्रणाली के माध्यम से संपत्ति रिकॉर्ड में विसंगतियों की स्वचालित पहचान, आवश्यक नोटिस जारी करने, बकाया संपत्ति कर की निगरानी तथा वार्ड और जोन स्तर पर वसूली की स्थिति देखने में मदद मिलेगी। इसके लिए जीआईएस आधारित डैशबोर्ड विकसित किए जाने से अधिकारियों को संपत्ति कर प्रशासन की बेहतर निगरानी में सहायता मिलेगी। इस पहल से नागरिकों को संपत्ति अभिलेखों और कर निर्धारण प्रक्रिया में अधिक पारदर्शिता मिलने की उम्मीद है। जियो-टैग की गई संपत्ति संबंधी जानकारी और कर से जुड़े रिकॉर्ड की उपलब्धता बेहतर होने के साथ-साथ अधिकारियों के साथ भौतिक संपर्क और मैनुअल निरीक्षण की आवश्यकता भी कम हो सकती है। एमसीडी के अनुसार, जीआईएस सक्षम प्रणाली के माध्यम से संपत्ति संबंधी शिकायतों के निवारण की प्रक्रिया को भी अधिक प्रभावी और तेज बनाया जा सकेगा। दिल्ली नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि ड्रोन सर्वेक्षण एक तकनीकी मानचित्रण और सत्यापन अभ्यास के रूप में किया जा रहा है। सर्वेक्षण से प्राप्त जानकारी का उपयोग लागू नियमों के अनुरूप संपत्ति कर निर्धारण और अन्य प्रशासनिक उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। इस पहल का प्रमुख उद्देश्य संपत्ति कर प्रशासन को आधुनिक बनाना तथा संपत्ति अभिलेखों की सटीकता, पारदर्शिता और एकरूपता में सुधार करना है।

एक नजर

टैंकर की टक्कर से ईएसआईसी महिला कर्मी की मौत

फरीदाबाद,एजेंसी। फरीदाबाद में एनएचपीसी के पास पानी के टैंकर ने स्कूटी सवार दो महिलाओं को टक्कर मार दी। हादसे में स्कूटी सवार 36 वर्षीय आशा गंभीर रूप से घायल हो गई। उसे इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। वहीं उसके साथ स्कूटी पर सवार दूसरी महिला कर्मचारी का इलाज चल रहा है। हादसे के बाद टैंकर ड्राइवर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने टैंकर को कब्जे में लेकर आरोपी ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। सराय थाना पुलिस के अनुसार एसजीएम नगर की 22 फुट रोड पर रहने वाली आशा (36) ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हाउसकीपिंग स्टाफ के तौर पर काम करती थी। इन दिनों उसकी ड्यूटी एनएचपीसी के पास स्थित ईएसआईसी के गर्ल्स हॉस्टल में लगी हुई थी। सोमवार की रात्रि को ड्यूटी खत्म करने के बाद वह अपनी एक महिला सहकर्मी के साथ स्कूटी पर सवार होकर घर लौट रही थी। बताया गया है कि एनएचपीसी के पास पहुंचने के दौरान पानी के टैंकर ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों महिलाएं सडक़ पर गिरकर घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। आसपास मौजूद लोगों ने घायलों को इलाज के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। आशा को गंभीर चोटें आई थीं और उसकी हालत लगातार बिगड़ती गई। परिजनों के अनुसार अस्पताल में डॉक्टरों ने आशा का इलाज शुरू किया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने के बाद परिवार में मातम छा गया। वहीं, दूसरी घायल महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है। सराय थाना प्रभारी राकेश कुमार ने बताया कि हादसे के बाद पुलिस ने पानी के टैंकर को कब्जे में ले लिया है। उसका ड्राइवर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पुलिस ने परिजनों की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। हादसे के कारणों और ड्राइवर की पहचान को लेकर जांच की जा रही है।

निवेश के नाम पर 5.10 लाख की ठगी में एक आरोपी अजमेर से गिरफ्तार

गुरुग्राम। साइबर अपराध दक्षिण थाना पुलिस ने निवेश और ट्रेडिंग के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह को बैंक खाता उपलब्ध कराने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने मंगलवार को बताया कि शिकायतकर्ता से ठगी गई राशि में से 27 हजार रुपए जिस बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे, वह खाता आरोपी भगवान ठकरानी के नाम पर था। पुलिस के अनुसार 17 जुलाई 2025 को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि उसके साथ ट्रेडिंग/निवेश के नाम पर लगभग 5.10 लाख रुपए की साइबर धोखाधड़ी हुई है। शिकायत के आधार पर थाना साइबर अपराध दक्षिण में संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था। कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मंगलवार को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान भगवान ठकरानी निवासी पहाडग़ंज, जिला अजमेर (राजस्थान) के रूप में हुई है। जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता से ठगी गई राशि में से 27 हजार रुपए जिस बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए थे, वह खाता आरोपी भगवान ठकरानी के नाम पर था। आरोपी ने यह बैंक खाता चार हजार रुपए में एक अन्य आरोपी को उपलब्ध करवाया था, जिसका इस्तेमाल ठगी की रकम को ठिकाने लगाने के लिए किया गया। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है और गिरोह के अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

कार्बाइन से चली गोली लगने से हेड कॉन्स्टेबल की हुई मौत

फरीदाबाद। मंगलवार को यहां गोली लगने से 47 वर्षीय कॉन्स्टेबल की मौत हो गई। गोली उनकी सर्विस कार्बाइन से चली, जो सीधे उनकी छाती में जा लगी। घटना सेक्टर-29 पुल के पास की बताई जा रही है, जहां मृतक कांस्टेबल अन्य पुलिसकर्मियों को खून से लथपथ हालत में पड़ा मिला, जिस पर उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान वीरेंद्र के रूप में हुई, जिनकी ड्यूटी एस्कॉर्ट गार्ड में लगी हुई थी। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ड्यूटी के दौरान ही यह घटना हुई। घटना कैसे हुई ? पुलिस परिस्थितियों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के अनुसार, वीरेंद्र सेक्टर 30 स्थित पुलिस लाइन में फैमिली के साथ रहते थे। मंगलवार को किसी काम से सेक्टर-29 आए थे। उनके पास सर्विस कार्बाइन भी थी। इसी दौरान वे पुल के पास बने एक झोपड़ी में बैठ गए। इस झोपड़ी में दो चारपाई पड़ी है, जिन पर अक्सर ट्रैफिक पुलिस कर्मी बैठ जाते हैं।

करीब डेढ़ बजे पुल के पास ड्यूटी दे रहे ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को झोपड़ी से गोली चलने की आवाज सुनाई दी। वे दौडक़र मौके पर पहुंचे तो वीरेंद्र खून से लथपथ पड़े थे। उनकी छाती में गोली लगी थी। पास ही सर्विस कार्बाइन पड़ी थी। इसके बाद पुलिस कर्मियों ने उन्हें तुरंत उठाकर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारी भी अस्पताल पहुंच गए और मामले की जानकारी ली। घटनास्थल पर पड़ी कार्बाइन को भी कब्जे में लिया गया। सूचना देकर फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। उधर, पुलिस ने मृतक के परिवार को भी सूचना दे दी थी। परिजन रोते-बिलखते अस्पताल पहुंच गए थे।

दिल्ली में बेटियों की सुरक्षा पर कांग्रेस ने सरकार को घेरा

सद्भावना टुडे, मुख्य संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने राजधानी में महिलाओं और नाबालिग बच्चियों के साथ कथित बलात्कार एवं यौन उत्पीड़न की लगातार सामने आ रही घटनाओं को लेकर दिल्ली सरकार और केन्द्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कालकाजी मंदिर के पास 17 वर्षीय नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, 21 सितंबर को करोल बाग में छह वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म, 16 सितंबर को सदर बाजार में नाबालिग के साथ यौन उत्पीड़न तथा 10 सितंबर को स्वरूप नगर में 16 वर्षीय नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म जैसी घटनाएं राजधानी की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती हैं।

देवेन्द्र यादव ने कहा कि दिल्ली में कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी को लेकर केन्द्र और दिल्ली सरकार एक-दूसरे पर जिम्मेदारी नहीं डाल सकतीं। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस केन्द्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है, इसलिए दिल्ली में बढ़ते अपराधों

को लेकर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह दोनों को जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा, 'दिल्ली की मुख्यमंत्री महिला होने के बावजूद उनके शासन में बेटियां सुरक्षित नहीं हैं, जो न केवल दुर्भाग्यपूर्ण है बल्कि सरकार की विफलता को भी दर्शाता है।'

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने दिल्ली में महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि भाजपा की केन्द्र और दिल्ली सरकार महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रही हैं। उन्होंने कहा कि बेटियों को सुरक्षित रखने में विफलता के कारण भाजपा सरकार का 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का नारा खोखला साबित हो रहा है। देवेन्द्र यादव ने दावा किया कि दिल्ली पुलिस के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2025 में बलात्कार के 1,058 मामले दर्ज किए गए, जबकि यौन उत्पीड़न, अत्याचार, छेड़छाड़, अपहरण और घरेलू हिंसा से जुड़े 13,396 मामले सामने आए। उन्होंने कहा कि दिल्ली में महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा गंभीर चिंता का विषय है और सरकार को इस दिशा में प्रभावी कदम उठाने चाहिए। उन्होंने कहा कि महिलाओं और नाबालिगों के साथ लगातार सामने आ रही गंभीर घटनाओं के बावजूद पुलिस और प्रशासन द्वारा अपराध से जुड़े सभी आधिकारिक आंकड़े सार्वजनिक नहीं किए जा रहे हैं। उन्होंने भाजपा सरकार पर राजनीतिक प्राथमिकताओं के कारण कानून-व्यवस्था की ओर पर्याप्त ध्यान नहीं देने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने कहा कि खुले मैदान, सार्वजनिक परिवहन और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के साथ अपराध की घटनाएं सामने आना पुलिस की निगरानी और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करता है। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी निगरानी और पुलिस की गश्त व्यवस्था को और प्रभावी बनाने की जरूरत है, ताकि अपराधों की रोकथाम के साथ-साथ महिलाओं और बच्चों में सुरक्षा का विश्वास कायम हो सके। देवेन्द्र यादव ने कहा कि केन्द्र और दिल्ली सरकार 'विकसित भारत, विकसित दिल्ली' का नारा दे रही हैं, लेकिन महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना विकास के लक्ष्य को पूरा नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि महिलाओं को समान अधिकार और सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी महिलाओं को समान अधिकार दिलाने की बात लगातार उठाते रहे हैं और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर सरकार से जवाबदेही की मांग करते रहेंगे।

गाजियाबाद में कल से 3 दिन ट्रैफिक डायवर्जन

गाजियाबाद,एजेंसी।

मुरादनगर गंगनहर पर गणेश मूर्ति विसर्जन को लेकर यातायात पुलिस ने बुधवार से तीन दिन के लिए भारी और व्यावसायिक वाहनों का मार्ग बदल दिया है। 23 सितंबर की सुबह नौ बजे से 26 सितंबर की सुबह नौ बजे तक गंगनहर मुरादनगर की ओर जाने वाले कई मार्गों पर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। श्रद्धालुओं की भीड़ और यातायात व्यवस्था को देखते हुए पुलिस ने डायवर्जन प्लान जारी किया है। गाजियाबाद की ओर से मुरादनगर, मोदीनगर और मेरठ की तरफ जाने वाले सभी भारी वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। ऐसे वाहन हापुड़ के रास्ते अथवा ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे और दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे का इस्तेमाल कर गंतव्य तक जा सकेंगे। डीसीपी ट्रैफिक त्रिगुण बिसेन के मुताबिक वाहन चालकों की सुविधा के लिए डायवर्जन प्लान जारी किया गया है। तीन दिन विभिन्न मार्गों पर डायवर्जन प्लान के मुताबिक ही निकलें। पलवल की ओर से ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे से आकर दुहाई कट से मेरठ जाने वाले ट्रक, डीसीएम और बस समेत भारी व्यावसायिक वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इन्हें दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से मोदीनगर और मेरठ की ओर जाना होगा। कुंडली की ओर से आने वाले भारी वाहनों पर भी दुहाई कट से मेरठ की ओर जाने पर रोक रहेगी। मेरठ की ओर से कादराबाद बार्डर होकर मुरादनगर गंगनहर आने वाले भारी और हल्के व्यावसायिक वाहनों को भी रोका जाएगा।

गुरुग्राम: बिल्डिंग प्लान की मंजूरी के आवेदन के साथ ही देनी होगी सीएंडडी वेस्ट की जानकारी

गुरुग्राम,एजेंसी। नगर निगम गुरुग्राम ने शहर में निर्माण एवं तोडफ़ोड़ वेस्ट (सीएंडडी वेस्ट) के बेहतर प्रबंधन और निर्धारित नियमों के प्रभावी अनुपालन के लिए नए दिशा-निर्देश जारी किए हैं। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त प्रदीप दहिया द्वारा जारी आदेशों में निर्माण, विध्वंस, रिमॉडलिंग और रेनोवेशन से निकलने वाले सीएंडडी वेस्ट के संग्रहण, परिवहन, प्रसंस्करण एवं उपयोग को लेकर विभिन्न प्रावधान निर्धारित किए गए हैं। आदेश में पर्यावरण (निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट) प्रबंधन नियम 2025 हरियाणा की सीएंडडी वेस्ट मैनेजमेंट पॉलिसी 2019 तथा सीएक्यूएम के दिशा-निर्देशों के अनुसार व्यवस्था लागू करने पर जोर दिया गया है। आदेश तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं।

नगर निगम ने 200 वर्गमीटर या उससे अधिक प्लॉट एरिया वाले ऐसे प्रोजेक्ट जिनमें निर्माण या पुनर्निर्माण से पहले विध्वंस किया जाना है, उनके लिए स्पष्ट प्रक्रिया निर्धारित की है। ऐसे प्रत्येक आवेदक को बिल्डिंग प्लान की मंजूरी के लिए आवेदन करते समय प्रस्तावित डिमोलिशन से उत्पन्न होने वाले सीएंडडी वेस्ट की अनुमानित मात्रा की घोषणा करनी होगी। निर्माण या पुनर्निर्माण शुरू करने से पहले संबंधित डिमोलिशन वेस्ट को एमसीजी की अधिकृत प्रोसेसिंग फैसिलिटी या निर्धारित कलेक्शन प्वाइंट पर जमा करना होगा तथा इसकी रसीद प्राप्त करनी होगी। आदेश के अनुसार संबंधित प्रमाण के सत्यापन के बाद ही ऑक्यूपेंसी व कंप्लीशन सर्टिफिकेट जारी किया जाएगा।

20,000 वर्गमीटर या उससे अधिक बिल्ट-अप एरिया वाले प्रोजेक्ट के लिए आवेदक/निर्माता को इंटीग्रेटेड वेस्ट मैनेजमेंट प्लान तैयार कर एमसीजी पोर्टल के माध्यम से स्वीकृति के लिए प्रस्तुत करना होगा। ऐसे प्रोजेक्ट से उत्पन्न सीएंडडी वेस्ट को संबंधित प्रोड्यूसर द्वारा एमसीजी की रीसाइक्लिंग फैसिलिटी में स्वयं के वाहनों के माध्यम से जमा कराया जाना होगा। इसके लिए सीएंडडी वेस्ट का डिपॉजिट एमसीजी सीएंडडी पोर्टल के माध्यम से रूट किया जाएगा। आदेश में प्रोसेस किए गए सीएंडडी से तैयार सामग्री के उपयोग पर भी जोर दिया गया है। संबंधित प्रोजेक्ट में निर्माण सामग्री की न्यूनतम निर्धारित मात्रा के अनुसार रीसाइकल्ड एग्रीगेट, मैन्युफैक्चर्ड सैंड तथा अन्य रीसाइकल्ड उत्पादों का उपयोग किया जाएगा।

युवती समेत तीन लोगों ने की आत्महत्या

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर 49 क्षेत्र के होशियापुर गांव में रहने वाली एक युवती ने बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक राम प्रकाश शर्मा ने बताया कि होशियापुर गांव में रहने वाली राधा पुत्री राकेश उम्र 24 वर्ष ने बीती रात को अज्ञात कारण से अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतका ने कोई सुसाइड नोट नहीं लिखा है। परिजनों से बातचीत कर आत्महत्या के कारण का पता लगाया जा रहा है। थाना सूरजपुर के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले नीरज पुत्र शिवचरण लाल शर्मा उम्र 30 वर्ष ने बीती रात को अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतक मूल रूप से जनपद बुलंदशहर के रहने वाले थे।

थाना बीटा- दो के प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार ने बताया कि थाना क्षेत्र के नवादा गांव में रहने वाले अमित हलधर पुत्र केशव हलधर उम्र 36 वर्ष ने

बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि वह मूल रूप से जनपद मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल के रहने वाले थे। थाना प्रभारी ने बताया कि मौके पर पहुंचे उपनिरीक्षक अनमोल कुमार ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना जारचा के प्रभारी निरीक्षक कैलाश नाथ ने बताया कि ग्राम खटाना की रहने वाली शकुंतला उम्र 50 वर्ष की बीती रात को संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गुरुग्राम में पीएफआई के इनोवेशन सेंटर की शुरुआत वैश्विक कंपनियों का बढ़ता विश्वास: राव नरबीर सिंह

गुरुग्राम। हरियाणा की ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) नीति के तहत उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने मंगलवार को गुरुग्राम के साइबर सिटी में प्रूडेंशियल फाइनेंशियल इंक (पीएफआई) के पहले इनोवेशन सेंटर इंडिया का उद्घाटन किया। अपने संबोधन में मंत्री राव नरबीर सिंह ने कहा कि करीब 150 वर्ष पुरानी प्रूडेंशियल फाइनेंशियल (पीएफआई) फॉर्च्यून-200 कंपनी है। इसके द्वारा भारत में अपना पहला इनोवेशन सेंटर स्थापित किया है। भारत में भी गुरुग्राम में इस सेंटर का खुलना प्रदेश की बढ़ती वैश्विक पहचान और निवेशकों के भरोसे को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि गुरुग्राम आज दुनिया के प्रमुख ग्लोबल बिजनेस हब के रूप में अपनी पहचान बना चुका है। वित्तीय सेवाओं, सूचना प्रौद्योगिकी, परामर्श और आधुनिक तकनीकी क्षेत्रों में यहां विकसित मजबूत कारोबारी एवं नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र ने गुरुग्राम को दुनिया की अग्रणी कंपनियों के लिए पसंदीदा गंतव्य बनाया है। पीएफआई जैसे प्रतिष्ठित वैश्विक संस्थान द्वारा यहां इनोवेशन सेंटर की स्थापना इस पहचान को और मजबूती प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि हरियाणा की वैश्विक क्षमता केंद्र (जीसीसी) नीति के तहत पीएफआई के इनोवेशन सेंटर की शुरुआत प्रदेश में वैश्विक कंपनियों के बढ़ते विश्वास को रेखांकित करती है। उन्होंने पीएफआई और बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की टीम को इस महत्वपूर्ण पहल के लिए बधाई दी। राव नरबीर सिंह ने कहा कि उनको मिले फीडबैक के तहत हरियाणा की जीसीसी नीति देश के विभिन्न राज्यों में अग्रणी नीतियों में शामिल है। यहां मिलने वाली प्रोत्साहन राशि अन्य स्थानों की तुलना में अधिक है और इसके लाभ भी तेज गति से तथा बिना अनावश्यक अड़चनों के उपलब्ध कराए जाते हैं। उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने कहा कि हरियाणा सरकार का विशेष जोर प्रदेश के युवाओं को वैश्विक स्तर की कंपनियों के साथ काम करने तथा आधुनिक तकनीक और नए कौशल में आगे बढऩे के अवसर उपलब्ध कराने पर है। उन्होंने कहा कि पीएफआई का यह केंद्र वित्त, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), प्रौद्योगिकी और अन्य उभरते क्षेत्रों में नवाचार तथा उच्च कौशल आधारित कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निवेश-अनुकूल व्यवस्था वैश्विक कंपनियों के लिए हरियाणा को आकर्षक गंतव्य बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

घर के बाहर खड़ी गाड़ी फूंकने वाले तीन बदमाश गिरफ्तार

फरीदाबाद। गांव अनंगपुर में घर के बाहर खड़ी गाड़ी में आग लगाने और फायरिंग करने के मामले में क्राइम ब्रांच एनआईटी ने मंगलवार को तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों की पहचान दिल्ली निवासी रवि, दिनेश और मोहित के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल बाइक और एक देसी कट्टा बरामद किया है। 16-17 जुलाई की रात अनंगपुर निवासी आकाश की गाड़ी घर के बाहर खड़ी थी। इसी दौरान कुछ युवक वहां पहुंचे और गाड़ी पर फायरिंग करने के बाद उसमें आग लगा दी। परिवार के लोग जब घर से बाहर आए तो आरोपियों ने उन पर भी फायरिंग की। हालांकि, गनीमत रही कि गोली किसी को नहीं लगी। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच क्राइम ब्रांच एनआईटी को सौंपी थी। जांच के दौरान पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस प्रवक्ता यशपाल ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि रोबिन का पहले आकाश के साथ झगड़ा हुआ था।

नकली सोना देकर फेडरल बैंक से ले लिया 1.46 करोड़ का गोल्ड लोन

गाजियाबाद। फेडरल बैंक की राजनगर शाखा में नकली सोना गिरवी रखकर करीब 1.46 करोड़ रुपये का गोल्ड लोन लेने का फर्जीवाड़ा सामने आया है। बैंक की जांच में 20 लोन खातों में गिरवी रखे आभूषण नकली पाए गए। इनमें 17 खाते ऐसे हैं, जिनका रुबिक फिनटेक के माध्यम से रेफर किया गया था। सभी मामलों में वैल्यूअर भी एक ही है। छह लोगों ने तो दो-दो खातों से गोल्ड लोन लिया। मामले में बैंक की ओर से दी गई शिकायत के आधार पर कविनगर थाने में 18 आरोपितों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बैंक की वरिष्ठ प्रबंधक शाजिया बानो ने पुलिस को शिकायत देकर बताया कि मामले की शुरुआत 10 जून को हुई। दिल्ली गेट निवासी दीपांशु बंसल एक अज्ञात व्यक्ति के साथ सोने के आभूषण गिरवी रखकर गोल्ड लोन लेने फेडरल बैंक की राजनगर शाखा पहुंचा था। उसके साथ रुबिक फिनटेक का अधिकारी हर्ष भी था।

आभूषणों को फोबोस गोल्ड के पैनल में शामिल मूल्यांकनकर्ता दीपक ढल्ला ने असली प्रमाणित किया था। हालांकि बैंक अधिकारियों ने संदेह होने पर आभूषणों की दोबारा जांच की तो वे नकली निकले। बैंक कर्मचारियों ने दोनों को रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे निकल गए। बैंक के पास घटना की सीसीटीवी फुटेज भी होने की बात कही गई है। इसके बाद बैंक ने अन्य गोल्ड लोन खातों की जांच की। जांच में पता चला कि दीपांशु बंसल के परिवार के एक सदस्य ने भी पहले इसी शाखा से गोल्ड लोन लिया था। इसके बाद संबंधित खातों की पड़ताल शुरू हुई। बैंक अधिकारियों और दूसरे स्वतंत्र मूल्यांकनकर्ता की जांच में कई खातों में गिरवी रखा सोना नकली मिला। बैंक ने आरोप लगाया है कि रुबिक फिनटेक के अधिकारी हर्ष और अनुराग सिंह ने बड़ी संख्या में संदिग्ध खाते सोर्स या रेफर किए थे। वहीं फोबोस गोल्ड के मूल्यांकनकर्ता दीपक ढल्ला की भूमिका पर भी बैंक ने संदेह जताया है, क्योंकि उनके स्तर से आभूषणों को असली प्रमाणित किया गया था।

मेवात के विकास और युवाओं के रोजगार को कांग्रेस देगी प्राथमिकता : दीपेंद्र हुड्डा

नूंह। हरियाणा के नूंह जिले के फिरोजपुर झिरका में मंगलवार को कांग्रेस कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन में रोहतक से कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे। उनके साथ नूंह विधायक चौधरी आफताब अहमद और फिरोजपुर झिरका विधायक मामन खान इंजीनियर सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। सम्मेलन में दीपेंद्र हुड्डा ने पार्टी संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने का आह्वान करते हुए भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी के निर्देश पर देश और प्रदेश में संगठन को मजबूत करने का अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर जनता के मुद्दों को मजबूती से उठाना होगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा कांग्रेस की ओर से बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकर्ता सम्मेलन और बैठकों का आयोजन किया जा रहा है। दीपेंद्र हुड्डा ने कहा कि मेवात की धरती से कांग्रेस और उनके परिवार का पुराना संबंध रहा है। उन्होंने वर्ष 1947 के प्रसंग का उल्लेख करते हुए कहा कि उनके दादा स्वर्गीय रणबीर सिंह हुड्डा महात्मा गांधी के साथ मेवात आए थे और उन्होंने यहां के लोगों को पाकिस्तान जाने से रोकने के प्रयास किए थे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में मेवात में मेडिकल कॉलेज, आईटीआई और आईएमटी सहित कई विकास परियोजनाएं शुरू की गईं। उन्होंने दावा किया कि रेनीवेल परियोजना के माध्यम से करीब 500 गांवों तक पेयजल पहुंचाने का प्रयास किया गया। साथ ही मेवात को रेल लाइन से जोड़ने की दिशा में भी प्रयास किए गए, लेकिन भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद कई परियोजनाएं अधूरी रह गईं। दीपेंद्र हुड्डा ने मेवात में बूचड़खानों के मुद्दे पर कहा कि कांग्रेस की सरकार बनने पर पहली कलम से बूचड़खानों को हटाने का काम किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मेवात के लोगों ने देश के लिए हमेशा कुर्बानी दी है और क्षेत्र के विकास के लिए कांग्रेस की सरकार ने पहले भी कई कार्य किए हैं।

जमानत पर जेल से बाहर आते ही पूर्व सरपंच ने निकाला जुलूस

नूंह,एजेंसी। नूंह जिले के बिछौर थाना क्षेत्र के गांव नहेदा में जेल से जमानत पर बाहर आने के बाद पूर्व सरपंच द्वारा समर्थकों के साथ कथित तौर पर जुलूस निकालकर मौजूदा सरपंच को धमकाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि जुलूस के दौरान गाड़ियों की छत पर चढ़कर डीजे बजाया गया, आतिशबाजी की गई तथा अवैध हथियार लहराकर गांव में दहशत का माहौल बनाया गया। मामले में बिछौर थाना पुलिस ने छह नामजद सहित करीब 100-120 अन्य लोगों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

पुलिस को दी शिकायत में गांव नहेदा निवासी एवं वर्तमान सरपंच जुबैर ने बताया कि गांव के नसरू के खिलाफ पंचायत राशि में धोखाधड़ी कर गबन करने की शिकायत बीडीपीओ कार्यालय पुन्हाना में दी गई थी। जांच के बाद बिछौर थाना में मुकदमा दर्ज कर नसरू को गिरफ्तार किया गया था। शिकायतकर्ता के अनुसार, इसी मामले को लेकर नसरू और उसके परिवार के लोग उससे रंजिश रखने लगे। शिकायत के अनुसार, 19 सितंबर को नसरू को नूंह अदालत से जमानत मिल गई। आरोप है कि जेल से बाहर आने के बाद उसने शिकायतकर्ता और उसके परिवार को धमकी दी

तथा समर्थकों के साथ बड़ा मोड़-जुरहेड़ा रोड से गांव नहेदा तक जुलूस निकाला। जुलूस में करीब 10-12 गाड़ियां और 30-40 मोटरसाइकिलें शामिल थीं। इस दौरान डीजे बजाया गया और कुछ लोग कथित तौर पर गाड़ियों की छत पर चढ़े हुए थे। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि जुलूस के दौरान वाहनों को लापरवाही से चलाकर आमजन के रास्ते में रुकावट पैदा की गई। गांव में पहुंचने के बाद पटाखे चलाए गए तथा कुछ लोगों ने कथित तौर पर देशी कट्टे सहित अवैध हथियार लहराए। इससे गांव में भय का माहौल पैदा हो गया और डर के कारण शिकायतकर्ता तथा उसका परिवार घर से बाहर नहीं निकल सका। शिकायतकर्ता ने जुलूस की वीडियो के आधार पर राशीद, साबिर, आशीफ, तोफिक और जाबीद सहित अन्य लोगों की पहचान किए जाने की बात कही है। जुलूस का वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। पुलिस प्रवक्ता कृष्ण कुमार ने बताया कि गाड़ियों की छत पर चढ़कर डीजे बजाने, यातायात नियमों का उल्लंघन करने और हुड़दंगबाजी का मामला सामने आया है। इस संबंध में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस अधीक्षक नूंह डॉ. अर्पित जैन के निर्देश पर यातायात नियमों के उल्लंघन और सार्वजनिक स्थान पर हुड़दंगबाजी को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मामले में नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

छात्रों के कार्यक्रम में नकारात्मक राजनीति क्यों?

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति संवाद है। सरकार और विपक्ष के बीच वैचारिक विरोध होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। लेकिन जब राजनीतिक संवाद का केंद्र नीतियों और जनसमस्याओं से हटकर व्यक्तियों पर टिप्पणियों, आरोपों, कटाक्षों और उपहास तक सीमित होने लगे तो लोकतांत्रिक विमर्श की गंभीरता पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। वर्तमान में भारत की राजनीति में सबसे बड़ा सवाल यह है कि राजनीतिक दल रचनात्मक विरोध की जगह अनुचित आरोप-प्रत्यारोप की परिधि में लगातार सक्रिय हैं। इस प्रकार की राजनीति देश के लोकतंत्र के उत्थान का मार्ग बिलकुल भी तैयार नहीं कर सकती। अभी कुछ दिनों पूर्व इंदौर में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम से जुड़ा मिमिक्री विवाद इसका ताजा उदाहरण है। कार्यक्रम का मूल विषय विद्यार्थियों की समस्याओं, शिक्षा, परीक्षाओं, रोजगार और छात्रावास जैसी चिंताओं से जुड़ा था। लेकिन ऐसा लगा कि कार्यक्रम अपने मूल उद्देश्य से भटक कर आरोपों और व्यक्तिगत खिल्ली उड़ाने पर ही केंद्रित होकर रह गया। आज चिंता इस बात की है कि छात्रों के सामने समस्या नहीं समाधान की चर्चा होना चाहिए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने छात्रों के सामने इस अंदाज में अपनी बात रखने का प्रयास किया कि छात्र सरकार के विरोध में खड़े हो जाएं। जिन बातों का उल्लेख छात्रों के समक्ष होना चाहिए, वे मुद्दे भी कार्यक्रम में पूरी तरह गायब दिखाई दिए। ऐसे में सवाल उठता है कि हमारे राजनीतिक दल छात्रों को किस दिशा में ले जाना चाहते हैं।

हालांकि कार्यक्रम में कुछ मुद्दों पर सरकार पर सवाल भी उठाए। लेकिन ऐसे सवाल छात्रों के बीच नहीं आना चाहिए। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री को लेकर शुरू हुआ विवाद देखते-ही-देखते राजनीतिक बहस का प्रमुख विषय बन गया। विपक्ष की ओर से इसे राजनीतिक व्यंग्य और अभिव्यक्ति के अधिकार के संदर्भ में देखा गया। क्या अभिव्यक्ति इस प्रकार की होना चाहिए, कदापि नहीं। यहां प्रश्न केवल मिमिक्री का नहीं है। प्रश्न यह है कि क्या राजनीतिक कार्यक्रमों में गंभीर मुद्दों को केंद्र में रखने के बजाय व्यक्तिगत कटाक्ष और उपहास को अधिक स्थान मिलना चाहिए? राजनीति में व्यंग्य कोई नई बात नहीं है। लोकतंत्र में व्यंग्य सत्ता से सवाल पूछने का माध्यम भी रहा है। नेता, सरकारें और नीतियां आलोचना के विषय बनती रही हैं। लेकिन व्यंग्य और व्यक्तिगत अवमानना के बीच एक महीन रेखा होती है। राजनीतिक विरोध कितना तीखा हो, यह राजनीतिक परिस्थितियां तय कर सकती हैं लेकिन सार्वजनिक जीवन में भाषा और व्यवहार की मर्यादा का प्रश्न हमेशा बना रहता है। इंदौर की घटना में भी यही बहस सामने आई। इस पूरे प्रसंग से एक बड़ा सवाल जरूर निकलता है कि क्या विद्यार्थियों के मंच पर विद्यार्थियों के मूल प्रश्न पीछे छूट जाने चाहिए? यदि किसी छात्र को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा नहीं मिल रही, यदि परीक्षा व्यवस्था को लेकर उसके मन में चिंता है, यदि रोजगार उसके भविष्य का सबसे बड़ा प्रश्न है या किसी छात्रा के सामने सुरक्षित और किफायती आवास की समस्या है तो राजनीति का दायित्व है कि वह इन प्रश्नों को मजबूती से उठाए। इन सवालों के उत्तर भी उसी गंभीरता से मांगे जाने चाहिए।

विपक्ष यदि सरकार की शिक्षा नीति से असहमत है तो उसे आंकड़ों के साथ अपना पक्ष रखना चाहिए। सरकार यदि विपक्ष के आरोपों को गलत मानती है तो उसे आंकड़ों और तथ्यों के साथ जवाब देना चाहिए। यही स्वस्थ लोकतांत्रिक बहस का रास्ता है। दुर्भाग्य यह है कि आज आरोप लगाना आसान हो गया है और आरोप का जवाब भी एक नए आरोप से देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। एक नेता किसी नीति पर सवाल उठाता है तो जवाब में नीति की चर्चा करने के बजाय उसके पुराने बयान खोजे जाते हैं। किसी सरकार के निर्णय पर सवाल उठता है तो विपक्ष के पुराने कार्यकाल की कमियां गिनाई जाती हैं। किसी नेता की आलोचना होती है तो उसके जवाब में दूसरे नेता की आलोचना सामने आ जाती है। इस प्रकार राजनीतिक संवाद एक ऐसी प्रतिस्पर्धा में बदल जाता है जिसमें यह साबित करने की कोशिश होती है कि सामने वाला अधिक गलत है। लेकिन जनता का सवाल इससे अलग है कि आप क्या करेंगे? राजनीतिक दलों की ठोस योजनाएं क्या हैं। इन सवालों का उत्तर किसी आरोप से नहीं दिया जा सकता। राजनीति में व्यक्तिगत आक्षेप इसलिए भी चिंता का विषय हैं क्योंकि वे धीरे-धीरे राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन जाते हैं। नेता जिस भाषा का इस्तेमाल करते हैं, उसका प्रभाव समाज पर भी पड़ता है। समर्थक उसी भाषा को दोहराते हैं और फिर राजनीतिक मतभेद सामाजिक कटुता में बदलने लगते हैं। लोकतंत्र में विरोध होना चाहिए, लेकिन विरोध का अर्थ वैमनस्य नहीं है। आज विपक्ष की ओर से सरकार के प्रति पूरी तरह कटुता का व्यवहार किया जा रहा है। इंदौर के कार्यक्रम में भी कटुता का खेल खेला गया। क्या छात्र ऐसी कटुता को अपने उत्थान और विकास के लिए जरूरी मानते हैं।

यह सवाल राजनीतिक दलों से पूछने का साहस भी छात्रों को करना चाहिए। यहां यह भी आवश्यक है कि इस प्रश्न को केवल एक दल या एक नेता तक सीमित न किया जाए। सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, राजनीतिक मर्यादा की कसौटी सबके लिए समान होनी चाहिए। यदि विपक्ष किसी नेता की मिमिक्री करता है तो उसकी समीक्षा होनी चाहिए; यदि सत्ता पक्ष विपक्षी नेताओं पर व्यक्तिगत कटाक्ष करता है तो उस पर भी उतनी ही गंभीरता से सवाल उठना चाहिए। लोकतांत्रिक मर्यादा किसी एक दल की संपत्ति नहीं है। विपक्ष को भी लोकतान्त्रिक मर्यादा के तहत कार्यक्रम करना चाहिए। इंदौर का कार्यक्रम राजनीतिक सभा या रैली नहीं था, वह छात्रों का कार्यक्रम था इसलिए इस कार्यक्रम में प्रथम दृष्टया राजनीतिक आरोप लगना ही नहीं चाहिए। राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह नहीं है कि वे अपने विरोधी को कितनी तीखी भाषा में जवाब दे सकते हैं। चुनौती यह है कि वे जनता के सामने अपनी नीतियों और योजनाओं को कितनी स्पष्टता से रख सकते हैं। आरोप-प्रत्यारोप से तालियां मिल सकती हैं, सोशल मीडिया पर चर्चा हो सकती है और समर्थकों का उत्साह भी बढ़ सकता है, लेकिन इससे समस्याओं का समाधान नहीं होता। बेरोजगार युवा को रोजगार चाहिए, उसे यह जानने में रुचि है कि सरकार और विपक्ष उसके लिए क्या करेंगे। विद्यार्थी को बेहतर शिक्षा चाहिए, उसे यह जानना है कि परीक्षा व्यवस्था कैसे विश्वसनीय बनेगी। परिवार को सुरक्षित भविष्य चाहिए, उसे राजनीतिक कटाक्षों से अधिक ठोस नीतियों की आवश्यकता है। इसलिए आज राजनीति को फिर से मुद्दों की ओर लौटने की जरूरत है। विरोध कीजिए, लेकिन नीतियों का विरोध कीजिए। सरकार से सवाल पूछिए, लेकिन तथ्यों के साथ पूछिए। विपक्ष के आरोपों का उत्तर दीजिए, लेकिन वैकल्पिक नीति के साथ दीजिए। व्यंग्य कीजिए, लेकिन ऐसी सीमा का ध्यान रखिए जहां राजनीतिक आलोचना व्यक्तिगत अपमान में न बदल जाए। लोकतंत्र में असहमति आवश्यक है, किंतु असहमति को संवाद में बदलना उससे भी अधिक आवश्यक है। राजनीति का उद्देश्य केवल यह सिद्ध करना नहीं होना चाहिए कि दूसरा पक्ष गलत है, राजनीति का बड़ा उद्देश्य यह बताना होना चाहिए कि जनता के लिए सही रास्ता क्या है और उस रास्ते पर चलने की योजना क्या है। आज जनता राजनीतिक दलों से यही अपेक्षा कर रही है कि वे आरोपों की राजनीति से आगे बढ़ें और समाधान की राजनीति को केंद्र में लाएं। यदि राजनीति लगातार व्यक्तियों के इर्द-गिर्द घूमती रही तो मुद्दे पीछे छूट जाएंगे। और जब मुद्दे पीछे छूटते हैं, तब लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष जनता की वास्तविक समस्याएं भी राजनीतिक विमर्श से बाहर होने लगती हैं। इसलिए समय की मांग स्पष्ट है कि कटाक्ष कम हों, संवाद बढ़े, आरोप कम हों, तथ्य बढ़ें और व्यक्तियों से अधिक मुद्दों पर राजनीति हो। यही लोकतंत्र की गरिमा भी है और जनता के प्रति राजनीति की वास्तविक जिम्मेदारी भी।

दरसअल, प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने पर भारत की ओर आने वाली हवाओं के दबाव और उनकी दिशा में बदलाव आता है। इससे बादलों की आवाजाही और बारिश के रास्ते में भी परिवर्तन होता है। यही कारण है कि इसका असर हजारों किलोमीटर दूर स्थित भारत जैसे देशों के मौसम पर भी पड़ता है। भारत में कम बारिश होने पर भी अलनीनो का प्रभाव बना रह सकता है। बीता अगस्त इसका उदाहरण है, जब सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश हुई और सितंबर का पहला पखवाड़ा भी अगस्त की तरह ही रहा। यदि हिंद महासागर में विकसित होने वाला इंडियन ओशन डाइपोल आने वाले दिनों में पॉजिटिव हुआ तो अलनीनो की चपेट में आए मानसून को और नई ताकत मिल सकती है। यह भी माना जाता है कि अलनीनो से हवाओं की ताकत घटती है और अनेक इलाकों में बारिश सामान्य से कम रह जाती है। हालांकि, यह भी कटु सत्य है कि भारत का मानसून केवल अलनीनो से निर्धारित नहीं होता। बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र, मानसूनी टर्फ की स्थिति और हिंद महासागर की परिस्थितियां भी बारिश की मात्रा और उसके वितरण को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। कई बार कुल बारिश बहुत कम नहीं होती, लेकिन उसका समय और क्षेत्रीय वितरण असंतुलित हो जाता है।

खाद्य आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाएं सरकारें

ज्ञानेन्द्र रावत

प्रशांत महासागर में जिस तरह गर्मी ने अलनीनो को ताकतवर बना दिया है, उसका असर अगले साल फरवरी से पहले खत्म होने की उम्मीद नहीं है। अगले कुछ महीनों तक तापमान और बारिश का मिजाज सामान्य रहने की उम्मीद भी बेमानी है। कहीं तेज बारिश, कहीं तेज गर्मी और कहीं बाढ़ जैसी मौसमी घटनाएं इसका संकेत दे ही चुकी हैं। इसका असर सर्दियों पर भी पड़ने की आशंका है। डब्ल्यूएमओ के अनुसार, प्रशांत महासागर में अगस्त महीने में तापमान सामान्य से 2.2 से 2.6 डिग्री अधिक हो गया। यही नहीं, समुद्र की गहराई में भी कई हिस्सों में पानी सामान्य से आठ डिग्री अधिक गर्म पाया गया है। इसी गर्मी ने अलनीनो को और ताकत दी है। डब्ल्यूएमओ की मानें तो सितंबर से नवंबर तक दुनिया के सभी हिस्सों में सामान्य से अधिक तापमान रहने की आशंका है। पहले से ही धरती पर पड़ रही गर्मी के बीच अलनीनो के असर से तापमान और बढ़ सकता है। इस कारण बारिश और तापमान वृद्धि के साथ-साथ सूखे और बाढ़ का खतरा भी बढ़ जाएगा।

दरसअल, प्रशांत महासागर का पानी गर्म होने पर भारत की ओर आने वाली हवाओं के दबाव और उनकी दिशा में बदलाव आता है। इससे बादलों की आवाजाही और बारिश के रास्ते में भी परिवर्तन होता है। यही कारण है कि इसका असर हजारों किलोमीटर दूर स्थित भारत जैसे देशों के मौसम पर भी पड़ता है। भारत में कम बारिश होने पर भी अलनीनो का प्रभाव बना रह सकता है। बीता अगस्त इसका उदाहरण है, जब सामान्य से 16 प्रतिशत कम बारिश हुई और सितंबर का पहला पखवाड़ा भी अगस्त की तरह ही रहा। यदि हिंद महासागर में विकसित होने वाला इंडियन ओशन डाइपोल आने वाले दिनों में पॉजिटिव हुआ तो अलनीनो की चपेट में आए मानसून को और नई ताकत मिल सकती है। यह भी माना जाता है कि अलनीनो से हवाओं की ताकत घटती है और अनेक इलाकों में बारिश सामान्य से कम रह जाती है। हालांकि, यह भी कटु सत्य है कि भारत का मानसून केवल अलनीनो से निर्धारित नहीं होता। बंगाल की खाड़ी में बनने वाले कम दबाव के क्षेत्र, मानसूनी टर्फ की स्थिति और हिंद महासागर की परिस्थितियां भी बारिश की मात्रा और उसके वितरण को काफी हद तक प्रभावित करती हैं। कई बार कुल बारिश बहुत कम नहीं होती, लेकिन उसका समय और क्षेत्रीय वितरण असंतुलित हो जाता है। इससे देश के कई राज्यों में बुआई, अंकुरण और फसलों की शुरुआती बढ़ोतरी प्रभावित होती है। कई बार मजबूत अलनीनो के दौरान भी देश के कुछ इलाकों में अधिक बारिश होती है। यह काफी हद तक आईओडी की स्थिति पर निर्भर करता है कि वह पॉजिटिव रहता है या नहीं। अगर वह पॉजिटिव नहीं हुआ तो अलनीनो का दबाव बढ़ सकता है। ऐसी स्थिति में मध्य भारत, उत्तर-पश्चिम भारत और प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में बारिश सामान्य से भी कम रहने का खतरा बना रहेगा। इस बार केंद्र सरकार का जोर जिलावार मौसम की निगरानी पर है। अलनीनो का खतरा केवल मौसम का मुद्दा नहीं है, बल्कि वह उत्पादन, खाद्य कीमतों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से भी जुड़ा है। अलनीनो का असर केवल मानसून तक सीमित नहीं रहेगा। इसके मजबूत रहने पर सर्दियों में भी तापमान सामान्य से अधिक रहने की आशंका है। समूचे उत्तर भारत में सर्दियों के छोटे होने और फरवरी-मार्च में गर्मी बढ़ने का रुझान पहले से दिखाई दे रहा है। इस हकीकत से भी मुंह नहीं मोड़ा जा सकता कि 2022-24 के मजबूत अलनीनो ने पहले से गर्म हो रहे ग्रह के तापमान में वृद्धि में नकारात्मक भूमिका निभाई और 2024 को दुनिया के सबसे गर्म वर्ष के रूप में दर्ज कराया।

दरसअल, अलनीनो जैसी चक्रीय जलवायु घटनाएं हर तीन से सात साल में होती हैं। इनकी पुनरावृत्ति पूरी दुनिया के लिए मुश्किलें खड़ी कर रही है। इनका सर्वाधिक असर भूमध्यरेखीय और उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों पर पड़ता है। भारत में कर्नाटक और पंजाब जैसे राज्यों में भी इनका प्रभाव देखा जाता है। ये घटनाएं मानसून के मिजाज को काफी हद तक प्रभावित कर सकती हैं। ऐसी स्थिति में समय रहते चेतावनी देने वाले डेटा को आपस में साझा करना और सीमाओं के पार पारदर्शी वैज्ञानिक सहयोग बढ़ाना बेहद जरूरी है। सूखे से लड़ने वाली फसलों के बीजों को साझा करना और पानी के भंडारों को सुरक्षित रखना भी आवश्यक है। अलनीनो को लेकर अब हमारी सरकार अलर्ट मोड पर है। लेकिन ये चक्रीय जलवायु घटनाएं दुनिया को चेतावनी है कि वे अपने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर खाद्य सुरक्षा को प्राथमिकता दें और आपदा प्रबंधन में पर्याप्त निवेश करें। इस बाबत संयुक्त राष्ट्र का सेंडाई फ्रेमवर्क भी आपदा जोखिम को कम करने और वैश्विक विकास लक्ष्यों में जलवायु लचीलेपन को शामिल करने पर विशेष जोर देता है।

विचार

संयुक्त राष्ट्र संघ पर प्रासंगिकता पर उठते सवाल

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

अमेरिका-ईरान युद्ध हो, रुस-यूक्रेन युद्ध या इसी तरह दुनिया के देशों के सामने आ रही गंभीर समस्याओं के चलते संयुक्त राष्ट्र संघ की प्रासंगिकता पर सवाल उठने लगे हैं। अमेरिका-ईरान युद्ध के चलते आज दुनिया के देश ईंधन की समस्या से दो-चार हो रहे हैं। शक्तिशाली देशों के दादागिरी चरम पर पहुंचती जा रही है। आज हार्मुज का रास्ता बंद है तो अन्य वैकल्पिक रास्तों पर भी अवरोध आ रहे हैं। दुनिया के अन्य देशों की समस्याओं के प्रति कोई गंभीर नहीं है। पेट्रोल पदार्थों और एलपीजी की आवाजाही प्रभावित होने से ईंधन के भावों में बेतहाशा बढ़ोतरी हो रही है। उर्जा संकट हो रहा है। आवागमन के साधनों का प्रमुख माध्यम पेट्रोल-डीजल आदि है और उनकी उपलब्धता पर पड़ रहे असर के कारण सभी देशों में सीधे आमजन प्रभावित हो रहे हैं। आखिर ऐसे समय में ही संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थाओं की भूमिका महत्वपूर्ण हो जाती है। पर जो तस्वीर सामने आ रही हैं। वह साफ है कि युद्ध करने वाले देशों पर दबाव डालने की स्थिति में ना तो कोई वैश्विक संस्था रह गई है और ना ही कोई सर्वमान्य वैश्विक नेता। आखिर यह कोई एक दिन का पराभव तो नहीं हैं बल्कि देखा जाए तो संयुक्त राष्ट्र को तो योजनाबद्ध तरीके से शक्तिहीन किया गया है। अमेरिका जैसे देशों द्वारा बिना वजह फण्डिंग बाधित या कम की जाती है तो वीटो पॉवर स्वयं में नकारात्मक भूमिका में है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में नए सदस्यों के प्रवेश को टाला जा रहा है तो इसे पंगु बनाने में कोई कमी नहीं छोड़ी जा रही है।

इसमें दो राय नहीं कि कोविड के दौरान संयुक्त राष्ट्र संघ ने सकारात्मक भूमिका निभाई। देशों के बीच परस्पर सहयोग व समन्वय का परिणाम यह रहा कि दुनिया के देश कोविड वैश्विक संकट से मुकाबला करने में सफल रहे। खैर पर दुनिया के देशों के बीच युद्ध, युद्ध के हालात और तनाव की स्थिति को कम करने में संयुक्त राष्ट्र संघ पूरी तरह विफल रहा है। इस विफलता के कारणों का अलग से विश्लेषण किया जा सकता है। पर एक बात साफ है कि आज संयुक्त राष्ट्र संघ पर समग्र रुप से देखा जाएं तो भरोसा 57 प्रतिशत ही रह गया है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति नकारात्मक विचार रखने वालों का प्रतिशत 37 प्रतिशत ही है। भरोसे के यह आंकड़े अगस्त 26 के ही हैं और यह प्यू रिसर्च की हालिया रिपोर्ट में सामने आये हैं। दुनिया के देशों में संयुक्त राष्ट्र संघ पर सबसे कम भरोसा करने वाला देश इजराइल है। इजरायल के 79 प्रतिशत लोग संयुक्त राष्ट्र संघ पर भरोसा नहीं रखते। हालांकि कनाडा, अमेरिका, नाइजीरिया, अधिकांश योरोपीय देश, घाना, केन्या व अधिकांश एशिया प्रशांत के देशों का भरोसा अधिक है। यह देश संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति सोच सकारात्मक रखते हैं। नाइजीरिया, फ्रांस यहां तक कि अमेरिका आदि में संयुक्त राष्ट्र के प्रति सकारात्मकता में अच्छी खासी गिरावट देखने को मिली है। दुनिया के देशों में एकमात्र श्रीलका ऐसा देश है जहां संयुक्त राष्ट्र संघ के प्रति भरोसे में बढ़ोतरी देखी गई है। सवाल यह है कि आज यूएन दुनिया के देशों के बीच संघर्ष या तनाव कम करने में निर्णायक भूमिका नहीं निभा पा रहा है। अमेरिका-ईरान या रुस-यूक्रेन युद्ध सबके सामने है। यह कोई दो देशों के बीच युद्ध नहीं है अपितु इन युद्धों की आंच दुनिया के अधिकांश देशों पर किसी ना किसी रुप में पहुंच रही है। आज वर्चस्व सिद्ध करने या दादागिरी ही एकमात्र ध्येय रह गया है। पर रुस और अमेरिका अभी भी यह नहीं समझ पा रहे कि युद्धारंभ से पहले चंद घंटों या चंद दिनों का युद्ध समझ कर जोश में आ गए थे आज स्थिति उनके लिए ना निगलते बन रही है और ना उगलते बन रही है। इन युद्धों ने यह भी सिद्ध कर दिया है कि सामने वाला देश कितना भी छोटा क्यों ना हो पर युद्ध को लंबा खींचने की क्षमता उसमें हैं। अमेरिका-इजराइल ने जब ईरान पर आक्रमण किया तब उन्होंने बहुत गाल बजाए थे पर आज जो हालात है वह सबके सामने हैं। यही, रुस यूक्रेन की बात है, चंद दिनों का युद्ध कब सालों लंबा युद्ध होता जा रहा है यह सबके सामने हैं। आज संयुक्त राष्ट्र संघ प्रभावी या कारगर होता तो हालात इतने खराब नहीं होते। आज संयुक्त राष्ट्र संघ नख-दंत विहीन संस्था रह गया है। अमेरिका सहित विकसित देश फण्डिंग में कमी कर देते हैं या रोक देते हें तो यूएन अपने आप में इतना सक्षम नहीं है कि देशों पर दबाव बना सके। सुरक्षा परिषद का वीटो का अधिकार भी एक प्रमुख बाधा है। सुरक्षा परिषद में भारत के प्रवेश को लंबे समय से रोका जा रहा है। नए सदस्य किसी को स्वीकार ही नहीं हो रहे। एक बात साफ हो जानी चाहिए कि संयुक्त राष्ट्र संघ का गठन एक सकारात्मक संदेश के साथ हुआ था। समय आ गया है जब दुनिया के देशों को संयुक्त राष्ट्र संघ की भूमिका नए सीरे से तय करनी होगी। यूएन को दिखावटी संस्था के स्थान पर अधिकारपूर्ण और निर्णय क्षमता युक्त संस्था बनानी होगी। लोगों में विश्वास बनाना होगा कि यूएन केवल संस्था नहीं अपितु वह अपने दायित्वों को पूरा करने और दादागिरी करने वाले देशों पर लगाम लगाने की स्थिति में हो या ना हो पर एक ऐसा भ्रम तो पैदा करने की स्थिति में हो ताकि शक्तिशाली देशों की मोनोपोली को सीमित किया जा सके।

एक नजर

जमुई की घटना के दोषियों को मिलेगी कठोर सजा, सरकार ने की त्वरित कार्रवाई : विजय कुमार चौधरी

पटना,एजेंसी। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी ने जमुई की घटना को घृणित अपराध बताते हुए कहा है कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा दिलाई जाएगी। सरकार ने इस मामले में तत्परता और पूरी सख्ती के साथ कार्रवाई की है। पॉक्सो एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है, जिसमें कठोरतम सजा का प्रावधान है। पार्टी कार्यालय मंगलवार को पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि घटना में अलग-अलग स्तर पर जिन लोगों की भूमिका रही है, चाहे घटना को अंजाम देने वाले हों, वीडियो बनाने वाले हों या उसे वायरल करने वाले, सभी के खिलाफ कानून के तहत कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि आज चुनाव आयोग ने विधान परिषद चुनाव की घोषणा की गई है। हमारा गठबंधन एनडीए आपसी सहमति और पूरी एकजुटता के साथ चुनाव लड़ेगा और सभी आठ सीटों पर एनडीए उम्मीदवार जीत दर्ज करेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में शुरू हुए जीविका कार्यकम के 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। पूरे बिहार को इस उपलब्धि पर गर्व है। जीविका दीदियों ने इस कार्यक्रम की पहचान प्रदेश और देश में बनाई है तथा दूसरे राज्यों में भी इसका अनुसरण और अनुकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी द्वारा जीविका के 20 वर्ष पूरे होने के अवसर को उत्सव के रूप में मनाया जाएगा। इस अभियान ने ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक स्वावलंबन के नए द्वार खोलने का काम किया है।

पार्टी के वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह से मिले नीतीश कुमार, जाना कुशलक्षेम

पटना। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं वरिष्ठ नेता वशिष्ठ नारायण सिंह से मंगलवार को पटना स्थित उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान नीतीश कुमार ने उनसे आत्मीय संवाद करते हुए उनके स्वास्थ्य एवं कुशलक्षेम की जानकारी ली। मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं के बीच राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन से जुड़ी स्मृतियों और विभिन्न समसामयिक विषयों पर आत्मीय बातचीत हुई। वशिष्ठ नारायण सिंह के साथ नीतीश कुमार की यह आत्मीय संवाद पार्टी की उस राजनीतिक परंपरा को भी दर्शाता है, जिसमें वरिष्ठ साथियों के अनुभव, मार्गदर्शन और सम्मान को सदैव विशेष महत्व दिया जाता रहा है, जो पार्टी के लिए सदैव अमूल्य पूंजी है। मुलाकात के दौरान विधान परिषद में सत्तारूढ़ दल के उप-नेता ललन कुमार सर्राफ भी साथ रहे।

कोसी आयुक्त ने राजस्व, विकास व विधि-व्यवस्था की समीक्षा की

सुपौल। जिला मुख्यालय स्थित समाहरणालय के लहटन चौधरी सभागार में मंगलवार को कोसी प्रमंडल के आयुक्त दिनेश कुमार की अध्यक्षता में सहरसा, सुपौल एवं मधेपुरा जिले के राजस्व, विकास, सीसीटीवी अधिष्ठापन एवं विधि-व्यवस्था से संबंधित कार्यों की समीक्षात्मक बैठक हुई। बैठक में तीनों जिलों के वरीय प्रशासनिक एवं पुलिस पदाधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान आयुक्त ने राजस्व से जुड़े मामलों की प्रगति की समीक्षा करते हुए ऑनलाइन म्यूटेशन, परिमार्जन एवं आधार सीडिंग के कार्य को शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया। उन्होंने परिमार्जन प्लस तथा डिजिटाइज्ड जमाबंदी से संबंधित मामलों की भी समीक्षा की और लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन पर जोर दिया। सुपौल जिले में ई-मापी के कार्य की समीक्षा

करते हुए अभियान चलाकर इसे शीघ्र पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जमाबंदी में लगान अपडेट करने तथा ऐसे मामलों, जिनमें खाता, खेसरा एवं रकबा अंकित नहीं है, को अभियान चलाकर निष्पादित करने को कहा गया। अधिकारियों को राजस्व संबंधी लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाने का निर्देश दिया गया। बैठक में अभियान बसेरा-2 के अंतर्गत प्राप्त आवेदनों की भी समीक्षा की गई। आयुक्त ने पात्र लाभुकों की पहचान कर उन्हें योजना का लाभ उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सेवा संवाद समाधान तथा बिहार लोक शिकायत निवारण अधिकार अधिनियम के तहत प्राप्त मामलों की स्थिति की समीक्षा की गई। लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने को कहा गया।विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा के क्रम में प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना, लोहिया स्वच्छ बिहार अभियान, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना एवं सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना समेत विभिन्न योजनाओं की प्रगति की जानकारी ली गई। आयुक्त ने संबंधित अधिकारियों को पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ निर्धारित समय-सीमा के भीतर उपलब्ध कराने का निर्देश दिया।

बिहार गति के तहत 100 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं की मुख्यमंत्री ने की समीक्षा

पटना,एजेंसी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने मंगलवार को लोक सेवक आवास स्थित 'संकल्प' सभागार में 'बिहार गति' के तहत राज्य में क्रियान्वित 100 करोड़ रुपये से अधिक की परियोजनाओं के साथ केंद्र प्रायोजित और राज्य योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विकास परियोजनाओं में तेजी लाने, कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और निर्धारित समय-सीमा के भीतर योजनाओं को पूरा करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बड़ी परियोजनाएं राज्य के विकास और आधारभूत संरचना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने सभी विभागों को अपनी महत्वपूर्ण योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने और परियोजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली बाधाओं को चिह्नित कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा।

समीक्षा के दौरान सुल्तानगंज-तारापुर-संग्रामपुर-बेलहर-कटोरिया-चन्दन-दर्दमारा सड़क परियोजना की प्रगति पर चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सड़क के शून्य से 40 किलोमीटर तक के हिस्से को फोर लेन में विकसित करने के लिए विस्तृत योजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने बेलहर से दर्दमारा तक भी फोर लेन सड़क निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को भविष्य की यातायात जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सड़क परियोजना की योजना तैयार करने और आवश्यक कार्रवाई में तेजी लाने का निर्देश दिया। प्रदेश के औरंगाबाद, सासाराम और डेहरी की पेयजल आपूर्ति योजना की समीक्षा के दौरान अधिकारियों ने सोन नदी के सतही जल के उपयोग से संबंधित जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने परियोजना की गुणवत्ता और प्रगति की नियमित निगरानी करते हुए इसे निर्धारित समय में पूरा करने का निर्देश दिया।

मधुबनी के जयनगर में कमला नदी पर प्रस्तावित बैराज निर्माण की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने निर्माण से संबंधित कार्यों में तेजी लाने तथा आवश्यक प्रक्रियाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने को कहा। उन्होंने कहा कि जल संसाधन और सिंचाई से जुड़ी परियोजनाओं का लाभ किसानों को समय पर मिलना चाहिए। औद्योगिक विकास से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री ने अमृतसर-कोलकाता इंडस्ट्रियल कॉरिडोर के तहत गयाजी में इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग क्लस्टर का अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुभारंभ कराने का निर्देश दिया। सरकार के अनुसार, इस क्लस्टर के शुरू होने से बिहार में करीब 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश आने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने औद्योगिक परियोजनाओं के लिए सड़क, बिजली, पानी सहित आवश्यक आधारभूत संरचना समय पर विकसित करने का निर्देश दिया, ताकि निवेश से जुड़ी गतिविधियों को गति मिल सके। बैठक में दक्षिण बिहार की नहरों और नदियों के तटबंधों के सोलराइजेशन की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को इसकी व्यवहार्यता का अध्ययन कर विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने का निर्देश दिया। उन्होंने सौर ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने और उपलब्ध संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल सुनिश्चित करने पर जोर दिया। समाज कल्याण विभाग और समेकित बाल विकास सेवाओं की योजनाओं की समीक्षा के दौरान सक्षम आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0, मिशन शक्ति-सामर्थ्य तथा किशोरी बालिकाओं के लिए भोजन योजना की प्रगति की जानकारी ली गई।

जमुई की घटना ने बिहार में कानून-व्यवस्था और महिला-बालिका सुरक्षा की खोली पोल : अनुपम

सुपौल। जमुई में स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ कथित मारपीट, दुर्व्यवहार एवं उत्पीड़न की घटना के विरोध में मंगलवार को जिला कांग्रेस कमिटी सुपौल की ओर से विरोध मार्च निकाला गया। प्रखंड प्रभारी शाहिद खान एवं प्रखंड अध्यक्ष अमित कुमार झा के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यालय से निकला मार्च आंबेडकर चौक पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने घटना के विरोध में नारेबाजी करते हुए महिला एवं बालिका सुरक्षा को लेकर सरकार से जवाबदेही तय करने की मांग की। जमुई में 19 सितंबर की शाम दो नाबालिग स्कूली छात्रों के साथ कथित दुर्व्यवहार एवं मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद मामला चर्चा में आया। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच के लिए एसआईटी गठित की और आरोपियों की पहचान एवं गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू की।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष अनुपम ने कहा कि जमुई की घटना किसी एक परिवार या जिले तक सीमित मामला नहीं है, बल्कि महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा तथा कानून-व्यवस्था को लेकर सरकार की जवाबदेही का गंभीर सवाल है। उन्होंने कहा कि सरकार महिला सुरक्षा और सुशासन के दावे करती है, लेकिन जब नाबालिग छात्र-छात्राओं के साथ सार्वजनिक स्थान पर इस प्रकार की घटना सामने आती है तो शासन-प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा आवश्यक हो जाती है।

उन्होंने कहा कि घटना का वीडियो सामने आने के बाद पुलिस कार्रवाई तेज हुई। ऐसे मामलों में पीड़ितों की सुरक्षा, निष्पक्ष जांच और सभी दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करना जरूरी है। वरिष्ठ कांग्रेसी नेता प्रेम नाथ झा ने कहा कि नशे, हिंसा और अपराध को बढ़ावा देने वालों को सामाजिक प्रतिष्ठा अथवा संरक्षण देने के बजाय समाज को उनका विरोध करना चाहिए। राजनीतिक प्रभाव, आर्थिक ताकत अथवा भीड़ जुटाने की क्षमता किसी व्यक्ति को कानून और सामाजिक मर्यादा से ऊपर नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि वायरल वीडियो के सामने आने के कारण जमुई की घटना देशभर में चर्चा में आई, लेकिन जिन घटनाओं का वीडियो सामने नहीं आता, उन पीड़ितों की आवाज कौन उठाएगा। सरकार को केवल सोशल मीडिया पर सामने आने वाली घटनाओं पर प्रतिक्रिया देने के बजाय महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा के लिए स्थायी एवं प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए।

बिहपुर के रेल यात्रियों की सुविधाओं के लिए मंत्री इं. शैलेंद्र ने रेल मंत्री को लिखा पत्र

भागलपुर। बिहार सरकार के पथ निर्माण मंत्री सह बिहपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक इं. शैलेंद्र ने केंद्रीय रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव को एक पत्र प्रेषित किया है। इस पत्र के माध्यम से उन्होंने बिहपुर विधानसभा क्षेत्र से जुड़ी विभिन्न रेल सुविधाओं एवं जनहित की मांगों को स्मारित कराते हुए केंद्रीय मंत्री का ध्यान इस ओर आकृष्ट कराया है। उल्लेखनीय हो कि बीते फरवरी माह में भी मंत्री इं. शैलेंद्र ने दिल्ली में केंद्रीय रेलमंत्री से मुलाकात कर उन्हें क्षेत्र की मांगों से संबंधित एक मांगपत्र सौंपा था। मंगलवार को भाजपा जिला उपाध्यक्ष प्रो. गौतम ने बताया कि मंत्री इं. शैलेंद्र ने पत्र के माध्यम से स्पेशल ट्रेन संख्या 03407 भागलपुर-कटिहार को नियमित करने तथा कटिहार से सुबह 5:30 बजे भागलपुर के लिए ट्रेन का परिचालन शुरू करने की मांग की है। इसके अलावा 12505 नॉर्थ ईस्ट एक्सप्रेस एवं 15715 गरीब नवाज एक्सप्रेस का अप एवं डाउन दोनों दिशाओं में बिहपुर स्टेशन पर ठहराव, टाटा लिंक एक्सप्रेस का दैनिक परिचालन, जमालपुर/मुंगेर-महेशखूंट ट्रेन का विस्तार बिहपुर तक करने तथा पूर्व की भांति पटना-बिहपुर डीएमयू सेवा को पुन: दैनिक रूप से शुरू कराने की मांग प्रमुखता से की गई है। ट्रेनों के अलावा मंत्री ने बिहपुर रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या एक एवं दो के बीच निर्माणाधीन एफओबी (फुट ओवर ब्रिज) का बाहरी सर्कुलेटिंग एरिया तक विस्तार करने की बात कही है। इसके साथ ही क्षेत्र के किसानों एवं व्यापारियों के हित में मालगोदाम सेवा अविलंब शुरू करने तथा स्टेशन के पश्चिमी केबिन से इमली चौक होते हुए पूर्वी केबिन तक जाने वाली जर्जर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की गई है। मंत्री इं. शैलेंद्र ने कहा कि बिहपुर विधानसभा क्षेत्र में बेहतर रेल सुविधाओं, सुगम आवागमन एवं जनसुविधाओं के विस्तार के लिए उनका निरंतर प्रयास जारी रहेगा। प्रो. गौतम ने जानकारी दी कि हाल ही में पटना में मंत्री इं. शैलेंद्र की पूर्व मध्य रेलवे, हाजीपुर के जीएम डिंपी गर्ग के साथ उपर्युक्त सभी विषयों एवं मांगों पर सकारात्मक एवं सार्थक चर्चा हुई थी। चर्चा के उपरांत प्रत्येक मांग पर आवश्यक पहल एवं कार्रवाई किए जाने की दिशा में रेलवे की ओर से सहमति भी बनी थी।

छपरा के हवाई अड्डा परिसर में ईंट से कुचलकर सचिन की हत्या मामले का 12 घंटे में पुलिस ने किया खुलासा

सारण,एजेंसी। शहर के पुलिस लाइन स्थित हवाई अड्डा के पास बीती रात हुई हत्या की गुत्थी को पुलिस ने महज 12 घंटे के भीतर सुलझा लिया है। प्रेम-प्रसंग के विवाद में दोस्त ही अपने साथी का कातिल निकला। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपित मनोहर कुमार को गिरफ्तार कर लिया है, जो मृतक सचिन कुमार के ही गांव का रहने वाला है। मामले की जानकारी देते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी रामपुकार सिंह ने बताया कि देर रात लगभग 12 बजे मिठाई दुकान के मालिक संतोष कुमार ने पुलिस को सूचना दी थी कि उनके स्टाफ और उसके साथी के साथ हवाई अड्डा के पास घटना घटी है। सूचना मिलते ही वरीय पुलिस अधीक्षक रौशन कुमार, नगर थाना की टीम और एसडीपीओ खुद मौके पर पहुंचे।

हवाई अड्डा परिसर के सुनसान इलाके से पुलिस ने सचिन कुमार का शव बरामद किया। शव का सिर पूरी तरह कुचला हुआ था, जिससे स्पष्ट था कि हत्या बेहद आक्रोश में की गई है। शुरुआत में मृतक के साथ मौजूद मनोहर कुमार ने पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की और दावा किया कि ऑटो सवार अज्ञात अपराधियों ने मोबाइल छीनने के दौरान हत्या की घटना को अंजाम दिया। हालांकि, पुलिस अनुसंधान में मनोहर के बयानों में भारी विरोधाभास मिला। सूक्ष्मता से जांच करने पर मनोहर के शरीर, कान और कपड़ों पर खून के निशान पाए गए। साथ ही उसकी अंगुली पर दांत से काटने का जख्म भी मिला। पुलिस ने जब घटनास्थल के आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और मनोहर के दावों का सत्यापन किया, तो उसकी पूरी कहानी झूठी साबित हुई। कड़ाई से की गई पूछताछ में मनोहर ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उसने बताया कि वह और सचिन दोनों एक ही लड़की से बात करते थे। सचिन उस पर लड़की से बात न करने का दबाव बनाता था और मारपीट की धमकी देता था। इसी रंजिश में मनोहर ने हत्या की साजिश रची। घटना वाली शाम मनोहर ने दुकान मालिक से पैसे लिए और सचिन को अत्यधिक शराब पिलाई। जब सचिन नशे में धुत हो गया, तो वह उसे हवाई अड्डा के सुनसान इलाके में ले गया। वहां दोनों के बीच हाथापाई हुई, जिसमें सचिन ने बचाव में उसकी अंगुली काट ली। लेकिन नशे में होने के कारण सचिन नीचे गिर पड़ा, जिसके बाद मनोहर ने पास पड़ी ईंट से उसके सिर को कूच-कूचकर उसकी हत्या कर दी। पुलिस ने खून से सने कपड़े और ईंट बरामद कर लिया है। इस तरह पुलिस ने 12 घंटे के भीतर इस हत्या मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर आरोपित को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाएगी।

पीएम सूर्य घर योजना के तहत 25 हजार उपभोक्ताओं को राज्य अनुदान का डीबीटी से हस्तांतरण

सुपौल,एजेंसी। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बिहार सरकार की ओर से राज्य अनुदान की राशि का हस्तांतरण मंगलवार को डीबीटी के माध्यम से किया गया। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने पटना स्थित ऊर्जा ऑडिटोरियम, शास्त्रीनगर से आयोजित कार्यक्रम में 25 हजार उपभोक्ताओं के घरों की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित होने के बाद अनुदान राशि का हस्तांतरण किया। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण समाहरणालय स्थित लहटन चौधरी सभागार में किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने योजना के तहत लाभुक किरण भारती, पति सुशील कुमार से सोलर संयंत्र अधिष्ठापन से संबंधित संवाद भी किया। वहीं योजना में अग्रणी भूमिका निभाने वाली लाभुक कंचन पांडेय को जिलाधिकारी सावन कुमार ने उपहार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में सांसद दिलेश्वर कामैत, पिपरा विधायक रामविलास कामत, त्रिवेणीगंज विधायक सोनम रानी सरदार, जिलाधिकारी सावन कुमार सहित विद्युत विभाग के पदाधिकारी, अभियंता, कर्मचारी एवं योजना के अन्य लाभुक उपस्थित थे। कार्यक्रम में बताया गया कि पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत बिहार सरकार द्वारा एक किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र के अधिष्ठापन पर 10 हजार रुपये तथा दो किलोवाट एवं उससे अधिक क्षमता के संयंत्र के अधिष्ठापन पर 20 हजार रुपये का अतिरिक्त राज्य अनुदान दिया जा रहा है। यह राशि लाभुकों के बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से हस्तांतरित की जा रही है।

विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता ने बताया कि योजना का लाभ लेने के लिए आधार कार्ड, उपभोक्ता संख्या, मोबाइल नंबर, बैंक खाते का विवरण तथा छत के स्वामित्व से संबंधित प्रमाण पत्र की आवश्यकता है। छत स्वामित्व का प्रमाण पत्र स्व-अभिप्रमाणित भी किया जा सकता है। इच्छुक उपभोक्ता ऑनलाइन आवेदन कर योजना से जुड़ सकते हैं। लाभुकों को योजना के तहत बैंकों के माध्यम से 5.75 प्रतिशत की दर से उपलब्ध ऋण की जानकारी भी दी गई। बताया गया कि एक किलोवाट के सौर ऊर्जा संयंत्र पर केंद्र एवं राज्य सरकार की ओर से कुल 40 हजार रुपये, दो किलोवाट पर 80 हजार रुपये तथा तीन किलोवाट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर अधिकतम 98 हजार रुपये तक का अनुदान दिया जा रहा है। आवेदन एवं योजना से संबंधित प्रक्रिया के लिए पीएम सूर्य घर योजना के ऑनलाइन पोर्टल, प्ले स्टोर पर उपलब्ध बिहार ऐप तथा पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के मोबाइल ऐप का उपयोग किया जा सकता है। विद्युत विभाग के अनुसार, सुपौल जिले में अब तक 459 आवेदकों के घरों की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र का अधिष्ठापन किया जा चुका है। इन संयंत्रों के माध्यम से लाभुक अपने घरेलू उपयोग के लिए बिजली का उत्पादन कर रहे हैं। वहीं प्राप्त अन्य आवेदनों पर पहले आओ, पहले पाओ की नीति के तहत अधिष्ठापन की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने बताया कि योजना के तहत अनुदान राशि का प्रावधान 31 मार्च 2027 तक किया गया

बाढ़ घोषित करने और फसल क्षति मुआवजे समेत आठ सूत्री मांगों को लेकर कोसी बाढ़ पीड़ितों का जल सत्याग्रह

सुपौल। कोसी तटबंध के भीतर बाढ़ और जलजमाव की समस्या को लेकर मंगलवार को मरौना अंचल के एकडेरा पलार घाट पर कोसी बाढ़ पीड़ितों का एक दिवसीय जल सत्याग्रह आयोजित किया गया। कोसी नव निर्माण मंच के आह्वान पर आयोजित सत्याग्रह में मरौना एवं किशनपुर अंचल के विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में महिला-पुरुष शामिल हुए।प्रदर्शनकारियों ने पानी में खड़े होकर अपनी समस्याएं रखीं और जिला प्रशासन से क्षेत्र को बाढ़ प्रभावित घोषित कर राहत एवं पुनर्वास की व्यवस्था करने की मांग की। जल सत्याग्रह में मरौना अंचल की सिसौनी पंचायत के एकडेरा, जोबहां, सिसौनी पलार तथा किशनपुर अंचल के बैराहा पंचायत के बौराहा, गोढ़ियारी, मानिकपुर, बुर्जा मुसहरी, नोआबाखर पंचायत के परसाही, सिमराहा सहित अन्य गांवों के बाढ़ पीड़ित पहुंचे।

ग्रामीणों ने कहा कि मानसून शुरू होने के बाद से ही तटबंध के भीतर स्थित गांवों में पानी जमा है। घर, आंगन, रास्ते और खेत पानी से घिरे हुए हैं। एक घर से दूसरे घर तक जाने के लिए नाव का सहारा लेना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने कहा कि जलजमाव से महिला, बच्चे, बुजुर्ग और बीमार लोगों को काफी परेशानी हो रही है। लंबे समय से पानी में रहने के कारण पशुओं के भी बीमार होने की समस्या सामने आ रही है। वहीं, खेतों में लगी फसल पूरी तरह बर्बाद होने का दावा ग्रामीणों ने किया। ग्रामीणों ने कहा कि प्रशासन को तटबंध के भीतर पहुंचकर वास्तविक स्थिति का जायजा लेना चाहिए। सत्याग्रह के दौरान ग्रामीणों ने बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन विभाग के पत्र का हवाला देते हुए कहा कि चार-पांच दिनों तक किसी मोहल्ले, टोले या गांव के चारों ओर नदी का पानी रहने और आवागमन का रास्ता बाधित होने की स्थिति में सामान्य जनजीवन प्रभावित होता है।

ग्रामीणों का आरोप था कि इसके बावजूद क्षेत्र को बाढ़ प्रभावित घोषित कर राहत उपलब्ध नहीं कराई जा रही है। जल सत्याग्रह के दौरान प्रदर्शनकारियों ने जिले को बाढ़ प्रभावित घोषित कर मानक संचालन प्रक्रिया एवं निर्धारित मानदंड के अनुसार जीआर की राशि उपलब्ध कराने, फसल क्षति के लिए इनपुट अनुदान देने, भूमिहीन एवं पुनर्वास की आवश्यकता वाले परिवारों को सुरक्षित स्थान पर बसाने, तटबंध के भीतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने और मेडिकल व पशु चिकित्सा के नि:शुल्क शिविर लगाने की मांग की। इसके अलावा कोसी पीड़ित विकास प्राधिकार को पुनर्जीवित करने की दिशा में पहल करने तथा कोसी की छाड़न धाराओं को पुनर्जीवित कर बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान की दिशा में कार्य करने की मांग भी उठाई गई। ग्रामीणों ने कहा कि लगातार जलजमाव के कारण उनका जनजीवन प्रभावित है और उनकी समस्याओं का समाधान प्रशासनिक स्तर पर प्राथमिकता से किया जाना चाहिए।

एक नजर

एशियाई खेलः जापान को 3-0 से हराकर भारत ने पुरुष टीम बैडमिंटन में पदक पक्का किया

आइची-नगोया,एजेंसी। भारत ने मंगलवार को मेजबान जापान को क्वार्टर फाइनल में 3-0 से हराकर एशियाई खेलों की पुरुष टीम बैडमिंटन स्पर्धा में अपना पदक पक्का कर लिया। लक्ष्य सेन, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी और आयुष शेट्टी ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। लक्ष्य सेन ने जापान के कोडाई नाराओका को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। लक्ष्य को पहले गेम में 11-21 से हार मिली, लेकिन उन्होंने दूसरे गेम में शानदार वापसी करते हुए 19-4 की बढ़त बनाई और गेम 21-5 से अपने नाम कर मुकाबला निर्णायक गेम में पहुंचा दिया।

निर्णायक गेम में लक्ष्य एक समय 8-14 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने जोरदार वापसी करते हुए स्कोर 19-19 से बराबर कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ी ने लगातार दो अंक हासिल करते हुए गेम 21-19 से जीत लिया और भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने जापान के होकी-कोबायाशी को 21-18, 24-22 से हराकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी। भारतीय जोड़ी ने कड़े शुरुआती मुकाबले के बाद पहला गेम 21-18 से जीता। दूसरे गेम में दोनों जोड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ और स्कोर 19-19 तथा 20-20 की बराबरी पर पहुंचा। हालांकि, सात्विक और चिराग ने दबाव में बेहतर प्रदर्शन करते हुए गेम 24-22 से अपने नाम कर लिया। भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए एक और जीत की जरूरत थी और आयुष शेट्टी ने जापानी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ संयमित प्रदर्शन करते हुए यह काम पूरा किया। आयुष ने पहले गेम में 7-2 की बढ़त बनाई और इसे बढ़ाकर 16-5 कर दिया। उन्होंने पहला गेम 21-10 से जीत लिया। दूसरे गेम में भी आयुष ने अपनी लय बरकरार रखी और 21-19 से गेम जीतकर भारत को 3-0 की जीत दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने पुरुष टीम बैडमिंटन स्पर्धा में पदक पक्का कर लिया है और टीम एशियाई खेलों के सेमीफाइनल में पहुंच गई है।

एशियाई खेलः भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को 5-0 से हराया

आइची-नगोया। भारतीय मुक्केबाज जादुमणि सिंह ने मंगलवार को एशियाई खेलों के पुरुष मुक्केबाजी मुकाबले में नेपाल के चंद्र बहादुर थापा को सर्वसम्मत 5-0 के फैसले से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ जादुमणि ने प्री-क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। जादुमणि ने मुकाबले की शुरुआत संभलकर की। थापा ने कई मुक्कों के साथ आक्रामक शुरुआत करने की कोशिश की, लेकिन उनके कई प्रहार सही निशाने पर नहीं लगे। जादुमणि ने धैर्य के साथ अपने मुक्के लगाए और दोनों मुक्केबाजों के बीच पहले राउंड में आक्रामक आदान-प्रदान देखने को मिला। थापा का एक मजबूत बायां हुक जादुमणि को लगा, जिससे पहला राउंड कड़ा हो गया। हालांकि, चार जजों ने यह राउंड भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में 4-1 से दिया। दूसरे राउंड में जादुमणि ने अपना प्रदर्शन और बेहतर किया। उन्होंने थापा पर लगातार दबाव बनाते हुए कई प्रभावी मुक्के लगाए। भारतीय मुक्केबाज के दबाव में थापा संघर्ष करते नजर आए और थकान के संकेत भी दिखने लगे। जादुमणि ने यह राउंड भी 4-1 से अपने नाम किया। अंतिम राउंड में भी जादुमणि ने अपना दबाव बनाए रखा। उनके एक जोरदार बाएं हुक के बाद थापा को स्टैंडिंग काउंट लेना पड़ा। इसके बाद जादुमणि ने संयम बनाए रखते हुए थापा के बड़े प्रहारों से खुद को बचाया और एक और शानदार काउंटर लगाकर अपनी बढ़त मजबूत कर ली। जादुमणि ने अंततः सर्वसम्मत 5-0 से जीत दर्ज की और एशियाई खेलों में अपने अभियान को आगे बढ़ाया। अब वह पुरुष मुक्केबाजी स्पर्धा के प्री-क्वार्टर फाइनल में उतरेंगे।

एशियाई खेलः भारत बुधवार से करेगा एथलेटिक्स अभियान की शुरुआत, तजिंदरपाल, अविनाश पर नजरें

आइची-नगोया। भारत एशियाई खेलों में बुधवार से अपने एथलेटिक्स अभियान की शुरुआत करेगा। 23 से 29 सितंबर तक चलने वाली एथलेटिक्स स्पर्धाओं में अविनाश साबले, तजिंदरपाल सिंह तूर, पारुल चौधरी और गुलवीर सिंह समेत कई भारतीय पदक दावेदार मैदान में उतरेंगे। नीरज चोपड़ा के चोट के कारण बाहर होने से पुरुषों की भाला फेंक स्पर्धा में भारत की चुनौती कुछ अलग होगी। उनकी जगह रोहित यादव और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता यश वीर सिंह भारतीय चुनौती संभालेंगे। रोहित ने इस सत्र में 87 मीटर से अधिक के दो शानदार थ्रो किए हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अगस्त में भुवनेश्वर में विश्व एथलेटिक्स कॉन्टिनेंटल टूर सिल्वर मीट में आया, जहां उन्होंने 87.68 मीटर के थ्रो के साथ स्वर्ण पदक जीता था। अविनाश साबले पुरुषों की 3000 मीटर स्टीपलचेज में अपने खिताब का बचाव करने उतरेंगे। घुटने की सर्जरी के कारण वह ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेलों में हिस्सा नहीं ले सके थे। वहीं, तजिंदरपाल सिंह तूर की नजरें एशियाई खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतने पर होंगी।

पारुल चौधरी महिलाओं की 5000 मीटर में अपने स्वर्ण पदक का बचाव करेंगी। वह 1500 मीटर और 3000 मीटर स्टीपलचेज में भी हिस्सा लेंगी। 2022 हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारत की 4म400 मीटर रिले टीम का हिस्सा रहे राजेश रमेश को भी टीम में जगह मिली है। बाधा दौड़ की धाविका ज्योति याराजी भी लंबे समय तक चोट से बाहर रहने के बाद प्रतियोगिता में वापसी करेंगी। उन्होंने 2022 एशियाई खेलों में रजत पदक जीता था। लंबी कूद के स्टार मुरली श्रीशंकर भी मजबूत लय के साथ एशियाई खेलों में उतरेंगे।

अक्षर की शानदार गेंदबाजी से भारत ने एकमात्र टी-20 में जापान को दो रन से हराया

सानो,एजेंसी। अक्षर पटेल की आखिरी ओवर में शानदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मंगलवार को ऐतिहासिक एकमात्र टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में जापान को दो रन से हरा दिया। पांच ओवर के इस मुकाबले में भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 32 रन बनाए। जवाब में जापान की टीम पांच ओवर में तीन विकेट पर 30 रन ही बना सकी। 33 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जापान की टीम की शुरुआत खराब रही। पारी के पहले ओवर की पांचवीं गेंद पर ईशान किशन के सटीक थ्रो ने सलामी बल्लेबाज लाचलान यामामोटो-लेक को एक रन पर रन आउट कर दिया। अगले ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने इब्राहिम ताकाहाशी को चार रन पर आउट कर जापान को सात रन पर दूसरा झटका दिया।

इसके बाद केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग और बेंजामिन इटो-डेविस ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने रवि बिश्नोई के ओवर में 10 रन जुटाए और तीन ओवर के बाद जापान का स्कोर दो विकेट पर 18 रन हो गया। मेजबान टीम को अंतिम 12 गेंदों में 15 रन की जरूरत थी। चौथे ओवर में जापान ने वॉशिंगटन सुंदर के खिलाफ सात रन बनाए, लेकिन ओवर की आखिरी गेंद पर सुंदर ने केंडल कडोवाकी-फ्लेमिंग को 12 रन पर आउट कर दिया। चार ओवर के बाद जापान का स्कोर तीन विकेट पर 25 रन था और उसे आखिरी ओवर में आठ रन चाहिए थे। इसके बाद अक्षर पटेल ने शानदार गेंदबाजी करते हुए जापान को आठ रन नहीं बनाने दिए। जापान की टीम पांच ओवर में तीन विकेट पर 30 रन ही बना सकी और भारत ने दो रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया। भारत की ओर से

वॉशिंगटन सुंदर सबसे सफल गेंदबाज रहे। सुंदर ने 2 विकेट लिए। इससे पहले जापान के स्पिनरों ने भारतीय बल्लेबाजी क्रम को चौंकाते हुए पांच ओवर में भारत को चार विकेट पर सिर्फ 32 रन तक सीमित कर दिया। भारतीय टीम में केवल कप्तान श्रेयस अय्यर ही दोहरे अंक तक पहुंच सके। उन्होंने 12 रन बनाए। अभिषेक शर्मा पहली ही गेंद पर आउट हो गए। चार्ली हारा-हिन्जे जापान के सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने दो विकेट लिए। इब्राहिम ताकाहाशी को एक सफलता मिली। सैमसन धीमी बाएं हाथ की स्पिन के खिलाफ संघर्ष करते हुए पांच गेंदों पर चार रन बना सके। इसके बाद हारा-हिन्जे ने पारी की आखिरी गेंद पर अभिषेक शर्मा को आउट किया, जो शॉर्ट फाइन लेग की दिशा में टॉप एज दे बैठे। पहले ओवर के बाद भारत का स्कोर एक विकेट पर सात रन था। अभिषेक का इस साल टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में यह सातवां गोल्डन डक रहा, जो एक कैलेंडर वर्ष में किसी बल्लेबाज के लिए सर्वाधिक है। टी20 क्रिकेट में यह उनका कुल 10वां गोल्डन डक भी रहा। दूसरे ओवर में इब्राहिम ताकाहाशी ने संजू सैमसन को नौ रन पर आउट किया। बेंजामिन इटो-डेविस ने उनका कैच पकड़ा। भारत 1.2 ओवर में दो विकेट पर नौ रन पर था। दो ओवर के बाद भारत का स्कोर 12 रन था। इसके बाद ईशान किशन भी तीन रन बनाकर आउट हो गए। इटो-डेविस ने शानदार कैच लेकर उन्हें पवेलियन भेजा। तीन ओवर के बाद भारत का स्कोर तीन विकेट पर 14 रन था। चौथे ओवर के बाद भारत चार विकेट पर 22 रन पर पहुंचा और कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका।

एशियाई खेलः 11 हजार अंतरराष्ट्रीय रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनीं स्मृति मंधाना

आइची-नगोया। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम कर ली है। श्रीलंका के खिलाफ एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक मुकाबले में 79 रन की शानदार पारी के दौरान मंधाना अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 11,000 रन पूरे करने वाली पहली महिला क्रिकेटर बन गईं।

मंधाना ने 45 गेंदों पर पांच चौकों और सात छक्कों की मदद से 79 रन बनाए। उनका स्ट्राइक रेट 175.56 रहा। उन्होंने शेफाली वर्मा के साथ मिलकर भारत को तेज शुरुआत दिलाई और दोनों ने पहले विकेट के लिए 99 रन की साझेदारी की। शेफाली ने 29 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 48 रन बनाए। मंधाना महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली बल्लेबाज हैं। उन्होंने 179 मैचों की 172 पारियों में 31.00 की औसत और 127.47 के स्ट्राइक रेट से 4,867 रन बनाए हैं। उनके नाम दो शतक और 37 अर्धशतक हैं तथा उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 124 रन है। महिला एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में मंधाना 5,411 रन के साथ छठे स्थान पर हैं। उन्होंने 120 मैचों में 47.88 की औसत से ये रन बनाए हैं, जिसमें 14 शतक और 35 अर्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 136 रन है। मंधाना ने नौ टेस्ट मैचों में 52.53 की औसत से 788 रन बनाए हैं। इस प्रारूप में उनके नाम दो शतक और पांच अर्धशतक हैं तथा उनका सर्वोच्च स्कोर 149 रन है। कुल मिलाकर मंधाना ने 308 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 11,066 रन बनाए हैं, जिसमें 18 शतक शामिल हैं। वह महिला क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक रन और सबसे ज्यादा शतक बनाने वाली बल्लेबाज भी हैं। मुकाबले में भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। मंधाना और शेफाली की 99 रन की साझेदारी के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर 17 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 19 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद ऋचा घोष ने 22 गेंदों पर छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 49 रन की तेज पारी खेलकर भारत को 20 ओवर में तीन विकेट पर 216 रन के मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

एशियाई खेलः पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश को 31 रन से हराकर जीता कांस्य पदक

आइची-नगोया। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम ने मंगलवार को एशियाई खेलों के तीसरे स्थान के मुकाबले में बांग्लादेश को 31 रन से हराकर कांस्य पदक जीत लिया। निस्शिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेले गए मुकाबले में पाकिस्तान के 145/8 के जवाब में बांग्लादेश की टीम निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 114 रन ही बना सकी। पहले बल्लेबाजी करते हुए पाकिस्तान ने शवाल जुल्फिकार और गुल फिरोजा के साथ अच्छी शुरुआत की। दोनों ने पहले विकेट के लिए 46 रन जोड़े।

नाहिदा अख्तर ने फिरोजा को आउट किया। उन्होंने 23 गेंदों पर छह चौकों की मदद से 31 रन बनाए। इसके बाद सायरा जाबीन क्रीज पर आईं, लेकिन वह ज्यादा देर नहीं टिक सकीं और पांच रन बनाकर आउट हो गईं। जुल्फिकार ने 27 गेंदों पर 17 रन बनाए, जबकि एमान फातिमा खाता नहीं खोल सकीं। आयशा जफर ने नौ रन बनाए, लेकिन शांजिदा अख्तर मेघला ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। पाकिस्तान का स्कोर एक समय पांच विकेट पर 67 रन था। कप्तान फातिमा सना ने आलिया रियाज के साथ मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने छठे विकेट के लिए 67 रन जोड़े। रियाज ने 22 गेंदों पर दो छक्कों और एक चौके की मदद से 25 रन बनाए। फातिमा सना ने 45 रन की पारी में तीन छक्के और तीन चौके लगाए। पाकिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 145 रन बनाए। फातिमा पारी की आखिरी गेंद पर आउट हुईं। बांग्लादेश की ओर से नादिया अख्तर, रितु मोनी और शोर्ना अख्तर ने दो-दो विकेट लिए, जबकि शांजिदा अख्तर मेघला को एक सफलता मिली। 146 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बांग्लादेश ने दिलारा अख्तर और जुआइरिया फरदौस के साथ शुरुआत की। पाकिस्तान की उम्म-ए-हानी ने तीसरे ओवर में फरदौस को आउट कर पहली सफलता दिलाई। अगले ओवर में तस्मिया रुबाब ने दिलारा अख्तर को 12 रन पर आउट किया। इसके बाद शोभना मोस्तारी भी दो रन बनाकर पवेलियन लौट गईं। कप्तान निगार सुल्ताना जोती और शर्मिन अख्तर ने चौथे विकेट के लिए 47 रन जोड़कर बांग्लादेश की पारी को संभाला। हालांकि, बढ़ते रन रेट के दबाव में निगार सुल्ताना को आयशा जफर ने एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। उन्होंने 30 गेंदों पर तीन चौकों की मदद से 25 रन बनाए। इसके बाद बांग्लादेश के विकेट लगातार गिरते रहे और लक्ष्य से दूरी भी बढ़ती गई।

कैप्री स्पोर्ट्स और एआईएफएफ के बीच 15 साल की साझेदारी, आईडब्ल्यूएल के वाणिज्यिक अधिकार मिले

मुंबई,एजेंसी। भारत की प्रमुख खेल संस्था कैप्री स्पोर्ट्स ने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के साथ 15 साल की दीर्घकालिक साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत कैप्री स्पोर्ट्स को इंडियन वुमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) और इंडियन वुमेंस लीग 2 (आईडब्ल्यूएल 2) के वाणिज्यिक विकास और विपणन अधिकार मिले हैं। यह साझेदारी भारत में महिला क्लब फुटबॉल के लिए एक दीर्घकालिक और टिकाऊ व्यावसायिक ढांचा तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

साझेदारी के तहत कैप्री स्पोर्ट्स दोनों लीगों के वाणिज्यिक विकास और मार्केटिंग का नेतृत्व करेगी। इसका उद्देश्य दर्शक आधार बढ़ाना, क्लबों और खिलाड़ियों की दृश्यता बढ़ाना, ब्रांड और निवेश आकर्षित करना, प्रसारण और डिजिटल जुड़ाव को मजबूत करना तथा महिला क्लब फुटबॉल के पूरे पारिस्थितिकी तंत्र में व्यावसायिक अवसर बढ़ाना है। कैप्री स्पोर्ट्स ने हाल ही में नोवा स्पोर्ट्स की शुरुआत की है, जो जमीनी स्तर से लेकर उच्च स्तर तक फुटबॉल में लड़कियों की भागीदारी और अवसर बढ़ाने पर केंद्रित पहल है। कंपनी का अगले दशक में 15 लाख लड़कियों तक पहुंचने का लक्ष्य है। नोवा स्पोर्ट्स के जमीनी स्तर के कार्यक्रमों और आईडब्ल्यूएल तथा आईडब्ल्यूएल 2 के शीर्ष क्लब स्तर की प्रतियोगिताओं के जरिए कैप्री स्पोर्ट्स भारत में महिला फुटबॉल के लिए भागीदारी से लेकर पेशेवर प्रतियोगिता तक एक संपूर्ण मार्ग तैयार करने की दिशा में काम कर रही है। कैप्री स्पोर्ट्स को महिला खेलों में यूपी वॉरियर्ज के साथ महिला प्रीमियर

लीग के अनुभव से भी लाभ मिलेगा। वर्ष 2016 में शुरू हुई आईडब्ल्यूएल का नया सत्र 15 अक्टूबर 2026 से शुरू होगा। इसमें आठ क्लब 56 मैचों में हिस्सा लेंगे और मुकाबले कई शहरों में खेले जाएंगे। कैप्री स्पोर्ट्स की निदेशक एवं प्रमोटर जिनिशा शर्मा ने कहा, 'महिला फुटबॉल दुनियाभर में एक महत्वपूर्ण दौर में प्रवेश कर रहा है और लीग नए दर्शकों, निवेश और सांस्कृतिक महत्व को आकर्षित कर रही हैं। भारत में इस बदलाव का हिस्सा बनने के लिए प्रतिभा और व्यापक आधार मौजूद है, लेकिन हमारी खिलाड़ियों को मजबूत प्रतियोगिता, पेशेवर माहौल और आगे बढ़ने के स्पष्ट अवसरों की जरूरत है। हमारा लक्ष्य आईडब्ल्यूएल और आईडब्ल्यूएल 2 को ऐसी मजबूत और व्यावसायिक रूप से टिकाऊ प्रतियोगिताएं बनाना है, जो क्लबों को मजबूत करें, प्रतिभाओं को विकसित करें और कहानी कहने, प्रशंसक जुड़ाव तथा मैदान पर बेहतर अनुभव के जरिए अधिक लोगों, ब्रांड और निवेश को खेल से जोड़ें। कैप्री स्पोर्ट्स के कॉन्टैक्ट स्पोर्ट्स प्रमुख अपूर्व गुप्ता ने कहा, 'हम आईडब्ल्यूएल और आईडब्ल्यूएल 2 के लिए एआईएफएफ के साथ साझेदारी कर बेहद उत्साहित हैं। दोनों लीग भारत में महिला क्लब फुटबॉल के शीर्ष दो स्तरों का प्रतिनिधित्व करती हैं और इनके आसपास मजबूत व्यावसायिक पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने का बड़ा अवसर है। अगले 15 वर्षों में हमारा ध्यान दर्शक आधार बढ़ाने, क्लबों और खिलाड़ियों की दृश्यता बढ़ाने, प्रसारण और डिजिटल जुड़ाव को मजबूत करने तथा ब्रांड और साझेदारों के लिए महिला फुटबॉल के विकास में भाग लेने के सार्थक अवसर तैयार करने पर रहेगा।

एआईएफएफ अध्यक्ष कल्याण चौबे ने कहा, 'भारत में महिला फुटबॉल के लिए इस साझेदारी का समय बहुत महत्वपूर्ण है। हाल के वर्षों में अस्मिता लीग जैसी पहलों, खिलाड़ियों के पंजीकरण में वृद्धि और अंडर-17 तथा अंडर-15 महिला युवा प्रतियोगिताओं की शुरुआत के जरिए भागीदारी बढ़ी है। 2026 में हमारी वरिष्ठ, अंडर-20 और अंडर-17 राष्ट्रीय टीमों ने भी एशियाई स्तर पर महत्वपूर्ण प्रगति की है। अगला कदम यह सुनिश्चित करना है कि हमारी क्लब प्रतियोगिताएं भी मजबूत और पेशेवर बनें। सही सोच रखने वाला दीर्घकालिक वाणिज्यिक साझेदार इस गति को आगे बढ़ाने, क्लबों और खिलाड़ियों के लिए अधिक मूल्य तैयार करने तथा अगले 15 वर्षों में मजबूत महिला फुटबॉल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित करने में मदद कर सकता है।'

एशियाई खेलः भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दर्ज की लगातार दूसरी जीत, श्रीलंका को 16-1 से रौंदा

काकामिगहारा (जापान)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने 20वें एशियाई खेलों में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए मंगलवार को पूल ए के दूसरे मुकाबले में श्रीलंका को 16-1 से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत की ओर से आठ अलग-अलग खिलाड़ियों ने गोल किए, जबकि जुगराज सिंह और अभिषेक ने हैट्रिक पूरी की। गत एशियाई खेल चैंपियन भारत ने इससे पहले अपने अभियान की शुरुआत इंडोनेशिया के खिलाफ 13-1 की जीत से की थी। श्रीलंका के खिलाफ भी भारतीय टीम ने चारों क्वार्टर में लगातार आक्रामक हॉकी खेली।

भारत ने पांचवें मिनट में बढ़त बनाई। जरमनप्रीत सिंह के शानदार मूव के बाद मंदीप सिंह ने गोल किया। जुगराज सिंह ने 10वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर बढ़त 2-0 कर दी। अभिषेक ने 11वें मिनट में भारत का तीसरा गोल किया। हरमनप्रीत सिंह ने 16वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर के जरिए गोल किया और इसके एक मिनट बाद अभिषेक ने अपना दूसरा गोल करते हुए भारत को 5-0 की बढ़त दिला दी। जुगराज ने 22वें मिनट में एक और पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपना दूसरा गोल किया। हालांकि, 24वें मिनट में उनका एक गोल वीडियो रेफरल के बाद रद्द कर दिया गया। भारत ने 29वें मिनट में अपनी छह गोल की बढ़त फिर हासिल की, जब सुखजीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर की शानदार रणनीति को गोल में बदला। इसके बाद दिलप्रीत सिंह ने 30वें मिनट में गोल कर भारत को मध्यांतर तक 8-0 की बढ़त दिला दी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत का दबदबा जारी रहा। मनप्रीत सिंह ने 31वें मिनट में जोरदार शॉट से गोल किया, जबकि विवेक सागर प्रसाद ने 36वें मिनट में बैकहैंड से गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाया। दिलप्रीत ने 38वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया। जुगराज ने 42वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की।

हरमनप्रीत सिंह ने 45वें मिनट में अपना दूसरा गोल किया, जिससे तीसरे क्वार्टर के अंत तक भारत की बढ़त 13-0 हो गई। अंतिम क्वार्टर में अभिषेक ने 49वें मिनट में गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। श्रीलंका को 50वें मिनट में सुरेश रत्नायके ने एकमात्र गोल दिलाया। इसके बाद जुगराज ने 53वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में बदलकर अपना चौथा गोल किया। दिलप्रीत सिंह ने 55वें मिनट में अपना तीसरा गोल करते हुए अपनी हैट्रिक पूरी की और भारत को 16-1 की शानदार जीत दिला दी। इस जीत के साथ भारत ने पूल ए में दो मैचों में दो जीत दर्ज कर ली हैं। भारतीय टीम अब 24 सितंबर को दक्षिण कोरिया के खिलाफ खेलेगी। यह मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 11:30 बजे शुरू होगा।

चोटों से जूझने के बाद मार्क वुड ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

लंदन,एजेंसी। इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने चोटों से लंबे समय तक जूझने के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। 36 वर्षीय वुड ने कहा कि करीब एक साल तक चोटों से लड़ने के बाद इस बार उन्हें लगा कि वह 'जंग हार गए हैं।

वुड ने अपना आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट के दौरान खेला था। इसके बाद घुटने की चोट के कारण वह एशेज सीरीज से बाहर हो गए थे। तब से उन्होंने कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेला है और फ्रेंचाइजी क्रिकेट में भी हिस्सा नहीं लिया। वुड का केंद्रीय अनुबंध समाप्त होने वाला है और उन्होंने इसे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का स्वाभाविक समय बताया। उन्होंने कहा कि वह हमेशा चोट से वापसी कर लोगों को गलत साबित करना चाहते थे, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हो सका। वुड ने सोशल मीडिया इंस्टाग्राम पर लिखा, 'मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। पिछले एक साल को देखते हुए यह शायद कोई हैरानी की बात नहीं है, लेकिन मेरे अनुबंध के अंत में यह फैसला स्वाभाविक समय जैसा महसूस हो रहा है। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा लचीला बने रहने और चोट से वापसी कर लोगों को गलत साबित करने और यह दिखाने की कोशिश की कि मैं क्या कर सकता हूं। दुर्भाग्य से, इस बार मैं जंग हार गया। चिकित्सकीय सलाह के अनुसार टेस्ट क्रिकेट और 50 ओवर का क्रिकेट मेरे लिए संभव नहीं है। पिछले एक साल में इंग्लैंड के लिए खेलने का सपना धीरे-धीरे मुझसे दूर होता गया। वुड ने इंग्लैंड के लिए खेलने को अपने जीवन का सबसे बड़ा सम्मान और सपना बताया। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के लिए इतना क्रिकेट खेलने पर मेरे अंदर का छोटा बच्चा बहुत खुश होता। दुनिया भर की यात्रा करना, शानदार लोगों से मिलना और सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ और उनके खिलाफ खेलना ऐसी चीज है, जिसके लिए मैं खुद को बेहद भाग्यशाली मानता हूं।

अपनी तेज गेंदबाजी के लिए पहचाने जाने वाले वुड ने कहा कि उन्होंने इंग्लैंड, अपने क्लब, शहर और उत्तर-पूर्व क्षेत्र का गर्व के साथ प्रतिनिधित्व करने की कोशिश की। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड के लिए खेलने से बेहतर कोई एहसास नहीं है और शर्ट पहनने का जो गर्व मुझे मिला, उसे शब्दों में समझाना मुश्किल है। मुझे उम्मीद है कि मैंने अपने परिवार, अपने क्रिकेट क्लब, शहर और उत्तर-पूर्व क्षेत्र का गर्व के साथ प्रतिनिधित्व किया और देश का भी उसी तरह प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने कहा, 'मुझे इस बात का संतोष है कि मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश की। मैंने अपना सब कुछ दिया और हर गेंद को ऐसे तेज और पूरी ताकत से फेंकने की कोशिश की, जैसे वह मेरी आखिरी गेंद हो। वुड ने इंग्लैंड के कई दिग्गज खिलाड़ियों, शानदार कोचों और बेहतरीन टीमों के साथ खेलने को अपने करियर की खास यादों में शामिल बताया। उन्होंने फिजियो और सपोर्ट स्टाफ का भी आभार जताते हुए कहा कि उनकी देखभाल के बिना वह आधा भी नहीं खेल पाते। प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए वुड ने कहा कि घरेलू और विदेशी दौरों पर मिले समर्थन को वह हमेशा याद रखेंगे।

एक नजर

ग्रीनलैंड को लेकर अमेरिका-डेनमार्क के बीच सुरक्षा समझौता, ट्रंप ने कहा-तीनों पक्षों के संबंध होंगे मजबूत

वॉशिंगटन/न्यूयॉर्क,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ग्रीनलैंड और डेनमार्क के नेताओं से मुलाकात की और एक नए सुरक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए। ट्रंप ने कहा कि इस समझौते पर लंबे समय से काम चल रहा था और इससे अमेरिका, डेनमार्क तथा ग्रीनलैंड के बीच लंबे समय तक मजबूत संबंध कायम होंगे। डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन ने कहा कि समझौता अमेरिका की सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करता है। इनमें ग्रीनलैंड पर किसी बाहरी शक्ति की सैन्य मौजूदगी स्थापित होने की आशंका भी शामिल है। उन्होंने कहा कि इसके साथ डेनमार्क और ग्रीनलैंड के घरेलू अधिकारों का भी सम्मान किया जाएगा। ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नील्सन ने समझौते का समर्थन करते हुए कहा कि यह 1951 के रक्षा समझौते को मौजूदा परिस्थितियों में लागू करने की दिशा में कदम है। उन्होंने अमेरिका को ग्रीनलैंड का मित्र बताते हुए कहा कि तीनों पक्ष पश्चिमी गठबंधन का हिस्सा हैं और एक-दूसरे की सुरक्षा से जुड़े हुए हैं। ग्रीनलैंड स्वायत्त क्षेत्र है, लेकिन वह डेनमार्क के साम्राज्य का हिस्सा है। विदेश नीति और रक्षा से जुड़े प्रमुख मामलों में डेनमार्क की भूमिका महत्वपूर्ण है। नए समझौते की विस्तृत शर्तें सार्वजनिक नहीं की गई हैं। हालांकि, ट्रंप ने अपने संयुक्त राष्ट्र भाषण में कहा था कि अमेरिका ग्रीनलैंड में दो बड़े सैन्य अड्डे स्थापित करेगा।

यूएन महासभा में ब्राजील के राष्ट्रपति ने वेनेजुएला और क्यूबा का मुद्दा उठाया

न्यूयॉर्क,एजेंसी। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान दुनिया को अलग-अलग प्रभाव क्षेत्रों में बांटने की कोशिशों पर सवाल उठाया और लैटिन अमेरिका में बाहरी हस्तक्षेप का विरोध किया। उनका संबोधन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के संबोधन से पहले हुआ। राष्ट्रपति लूला ने यूएन में अपने संबोधन में संयुक्त राष्ट्र को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि यह संस्था अपने सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्यों में से एक, मानवता को युद्ध की विभीषिका से बचाने, में अपेक्षित सफलता हासिल नहीं कर पा रहा है। लूला ने वेनेजुएला का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए कहा कि वहां के लोगों को अपना भविष्य खुद तय करने का अधिकार है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका द्वारा पूर्व राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को हटाए जाने और उनकी जगह अंतरिम नेतृत्व के आने के बाद क्षेत्र में अमेरिकी भूमिका को लेकर बहस जारी है। क्यूबा के मुद्दे पर लूला ने अमेरिकी आर्थिक और ऊर्जा प्रतिबंधों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि लाखों क्यूबाई नागरिक इन प्रतिबंधों से प्रभावित हो रहे हैं और इसे सामूहिक दंड के रूप में देखा जा रहा है। लूला ने व्यापक रूप से एकतरफा कार्रवाई और प्रभाव क्षेत्रों की राजनीति के बजाय बहुपक्षवाद तथा देशों की संप्रभुता के सम्मान की वकालत की। उनका संबोधन संयुक्त राष्ट्र महासभा की उस बहस के बीच हुआ, जिसमें इस वर्ष वैश्विक संघर्ष, बदलती भू-राजनीति और अंतरराष्ट्रीय सहयोग प्रमुख मुद्दे हैं।

पाकिस्तान के फील्ड मार्शल मुनीर ने खैबर पख्तूनख्वा की सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्सेज (सीडीएफ) और चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ (सीओएएस) फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने मंगलवार को कोर मुख्यालय पेशावर का दौरा किया। उन्होंने सैन्य अधिकारियों से खैबर पख्तूनख्वा (केपी) में सुरक्षा स्थिति का जायजा लिया। द न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने बताया कि अधिकारियों ने उन्हें केपी की मौजूदा सुरक्षा स्थिति, वहां चल रहे आतंकवाद-विरोधी अभियानों, सीमा प्रबंधन उपायों और प्रांत में तैनात टुकड़ियों की ऑपरेशनल तैयारियों के बारे में जानकारी दी। मुनीर ने अधिकारियों और जवानों के उच्च मनोबल, तत्परता और व्यावसायिकता की सराहना की। उन्होंने सैन्य टुकड़ियों को सतर्क रहने और ऑपरेशनल तैयारियों के उच्चतम मानकों को बनाए रखने का निर्देश दिया। सेना प्रमुख ने जोर दिया कि सशस्त्र बल, देश के अटूट समर्थन के साथ, आतंकवाद को हराने और देश भर में स्थायी शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के अपने संकल्प पर अडिग हैं। फील्ड मार्शल सैयद आसिम मुनीर ने यादगार-ए-शुहदा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के बाद शहीदों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने दोहराया कि सैनिकों के सर्वोच्च बलिदान को कभी नहीं भुलाया जाएगा। उनका यह दौरा कोहाट की पुरानी पुलिस लाइंस पर हुए जानलेवा हमले के कुछ दिनों बाद हुआ। इस हमले में 16 पुलिस अधिकारियों और छह आम नागरिकों समेत 22 लोगों की मौत हो गई थी और 103 लोग घायल हो गए थे।

नेपाल के पर्यटन क्षेत्र को बाढ़ से 5,267 करोड़ रुपये का शुरुआती नुकसान का आकलन

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल में बाढ़ और उसके बाद हुए भूस्खलन से देश के पर्यटन क्षेत्र को 52 अरब 67 करोड़ 45 लाख 76 हजार 500 नेपाली रुपये के बराबर का प्रारंभिक आर्थिक नुकसान होने का आकलन किया गया है। प्रभावित पर्यटन क्षेत्र के पुनरुद्धार और भविष्य में होने वाली आपदाओं से निपटने के लिए पूर्व तैयारी को व्यवस्थित बनाने के उद्देश्य से संबंधित समिति को पुनरुत्थान योजना का मसौदा तैयार करने की जिम्मेदारी भी दी गई है। संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्रालय में मंगलवार को आयोजित पर्यटन क्षेत्र पर बाढ़-भूस्खलन के प्रभाव और पुनरुद्धार संबंधी रिपोर्ट की प्रस्तुति एवं चर्चा के दौरान नेपाल पर्यटन बोर्ड की त्वरित प्रतिक्रिया टीम (क्यूआरटी) के संयोजक एवं बोर्ड के कार्यकारी सदस्य सहदेव धमला ने प्रारंभिक रिपोर्ट पेश की।

कार्यक्रम संस्कृति, पर्यटन तथा नागरिक उड्डयन मंत्री खड्गराज पौडेल की मौजूदगी में हुआ। इसमें मंत्रालय के सचिव मुकुंद निरौला, सहसचिव एवं शाखा प्रमुख, नेपाल पर्यटन बोर्ड के प्रतिनिधि तथा निजी क्षेत्र के प्रतिनिधि शामिल हुए। रिपोर्ट के अनुसार बाढ़ और भूस्खलन से विशेष रूप से रसुवा, नुवाकोट, धादिंग और गोरखा सहित विभिन्न क्षेत्रों में पर्यटन बुनियादी ढांचे, होटल एवं पर्यटन व्यवसाय, परिवहन संपर्क, ट्रेकिंग मार्ग और पर्यटक प्रबंधन को भारी नुकसान पहुंचा है। क्षेत्रवार शुरुआती आकलन के अनुसार सबसे ज्यादा नुकसान होटल व्यवसाय को हुआ है। रिपोर्ट में होटल क्षेत्र को 19 अरब 56 करोड़ 4 लाख 48 हजार रुपये, विदेशी पर्यटकों से होने वाली पर्यटन आय को 14 अरब 60 करोड़ 24 लाख 64 हजार रुपये और मानव संसाधन एवं पर्यटक प्रबंधन को 12 अरब 26 करोड़ 84 लाख 24 हजार 500 रुपये का नुकसान होने का अनुमान लगाया गया है।

इसी तरह विरासत एवं पर्यटन बुनियादी ढांचे को 1 अरब 66 करोड़ 40 लाख रुपये, वाहनों को 1 अरब 51 करोड़ 40 लाख 80 हजार रुपये, रेस्तरां क्षेत्र को 1 अरब 38 करोड़ 50 लाख 20 हजार रुपये और लांगटांग क्षेत्र में व्यावसायिक कारोबार को 1 अरब 27 करोड़ 64 लाख 40 हजार रुपये का नुकसान होने का आकलन है। रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू पर्यटन राजस्व में 19 करोड़ 87 लाख रुपये, राफ्टिंग एवं कैंपिंग साइट में 15 करोड़ 50 लाख रुपये और ट्रेकिंग ट्रेल में 5 करोड़ रुपये का प्रारंभिक नुकसान हुआ है। रिपोर्ट में बताया गया है कि बाढ़ और भूस्खलन से 1,117 नेपाली और विदेशी पर्यटक संपर्कविहीन हुए हैं। इसी तरह 310 पर्यटकों को सुरक्षित बचा लिया गया, जबकि 13 लोग बाद में संपर्क में आए। बचाए गए लोगों में 258 पुरुष और 52 महिलाएं हैं।

नेपाल में बाढ़ से रसुवागढ़ी-केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित, हिल्सा बना मानसरोवर यात्रा का वैकल्पिक मार्ग

काठमांडू। नेपाल का उत्तरी सीमा नाका हिल्सा (हुम्ला) इन दिनों एक बार फिर चर्चा में है। बाढ़ के कारण रसुवागढ़ी-केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित होने के बाद मानसरोवर-कैलाश यात्रा पर गए भारतीय पर्यटकों के लिए हिल्सा वैकल्पिक मार्ग बन गया है। इसके चलते हिल्सा का महत्व तेजी से बढ़ा है। भोटेकोशी नदी में आई बाढ़ के कारण केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित होने के बाद तिब्बत पहुंच चुके 150 से अधिक भारतीय पर्यटक हिल्सा के रास्ते नेपाल लौटे। पर्यटक हिल्सा से सिमकोट पहुंचे और वहां से हवाई मार्ग से नेपालगंज होते हुए अपने गंतव्य के लिए रवाना हुए।

पर्यटन व्यवसायियों का कहना है कि इस घटनाक्रम ने हिल्सा को केवल आपातकालीन वैकल्पिक मार्ग ही नहीं, बल्कि भविष्य में मानसरोवर-कैलाश यात्रा के नियमित प्रवेश और आवागमन के ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करने की संभावना भी दिखाई है। पर्यटन एवं होटल व्यवसायी नोर्बु लामा ने कहा कि हिल्सा के जरिए हाल में हुए पर्यटकों के आवागमन को दीर्घकालीन पर्यटन योजना से जोड़ने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि भोटेकोशी में बाढ़ के कारण रसुवागढ़ी-केरुंग और तातोपानी नाका प्रभावित होने से मानसरोवर-कैलाश यात्रा प्रभावित हुई, लेकिन इसी बाधा के कारण हिल्सा वैकल्पिक अंतरराष्ट्रीय और पर्यटन मार्ग के रूप में सामने आया है। उनके अनुसार यदि हिल्सा नाके को व्यवस्थित किया जाए तो पर्यटकों की आवाजाही के साथ-साथ स्थानीय व्यापार, होटल, परिवहन, गाइड, ट्रेकिंग और रोजगार के अवसर भी बढ़ सकते हैं हुम्ला के प्रमुख जिला अधिकारी भोलानाथ गुरागाईं ने बताया कि भोटेकोशी में आई बाढ़ के बाद केरुंग की ओर यातायात प्रभावित होने से तिब्बत पहुंच चुके, लेकिन केरुंग के रास्ते नेपाल नहीं लौट पाने वाले पर्यटकों के लिए हिल्सा वैकल्पिक मार्ग बन गया है। उन्होंने कहा कि यदि हिल्सा में सड़क और अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था बेहतर की जाए, तो यह एक प्रभावी वैकल्पिक मार्ग बन सकता है। उनके अनुसार हिल्सा नाके को व्यवस्थित और सुगम बनाने से पर्यटकों की आवाजाही के साथ-साथ सरकार के राजस्व में भी वृद्धि हो सकती है। रसुवागढ़ी और तातोपानी नाकों पर बाधा आने के बाद कुछ पर्यटकों ने अपनी यात्रा रद्द कर दी है, जबकि कुछ पर्यटकों को ट्रैवल एजेंसियों ने वैकल्पिक मार्ग से मानसरोवर भेजा।

नेपाल में शुक्रवार से रविवार तक भारी बारिश का अलर्ट, 42 जिलों में बाढ़-भूस्खलन का खतरा

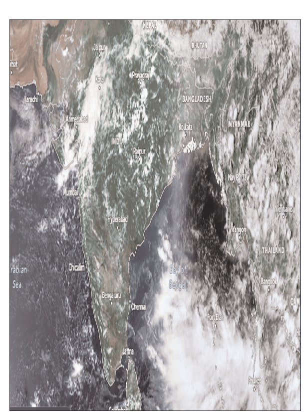

काठमांडू। नेपाल के मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को विशेष मौसम बुलेटिन में आगामी शुक्रवार से रविवार तक देश के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक और बिजली के साथ बारिश होने का पूर्वानुमान जताया है। विभाग ने कुछ इलाकों में भारी से अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी भी दी है। विभाग के अनुसार शुक्रवार से रविवार तक गंडकी और लुंबिनी प्रदेश में मौसम का सबसे ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। इन दोनों प्रदेशों में कई स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। मौसम विभाग ने मधेश प्रदेश को छोड़कर छह प्रदेशों के 42 जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

इन जिलों में बाढ़ और भूस्खलन का जोखिम अधिक बताया गया है। मौसम विभाग ने गंडकी प्रदेश के सभी 11 जिलों को ऑरेंज अलर्ट में रखा है। लुंबिनी प्रदेश के 12 जिलों में से रोल्पा, बांके और बर्दिया को छोड़कर बाकी सभी जिलों में ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा मधेश, कोशी, बागमती और सुदूरपश्चिम प्रदेश के कुछ स्थानों पर भारी से अत्यधिक भारी बारिश, जबकि कर्णाली प्रदेश के कुछ इलाकों में भारी बारिश होने का अनुमान है। विभाग ने 35 अन्य जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इसका अर्थ है कि इन क्षेत्रों में बारिश की संभावना है और लोगों को मौसम संबंधी सूचनाओं पर नजर रखते हुए नियमित रूप से अपडेट रहने की सलाह दी गई है। मौसम पूर्वानुमान महाशाखा के मौसमविद् रोजन लामिछाने ने बताया कि मौजूदा स्थिति के आधार पर अगले तीन दिनों तक लगातार बारिश होने की संभावना है। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश होने और कुछ स्थानों पर अत्यधिक बारिश की भी संभावना है। निम्न दबाव वाले क्षेत्र का प्रभाव बुधवार से पूर्वी नेपाल में पड़ने की संभावना है, इसलिए हम नियमित निगरानी कर रहे हैं। यदि किसी विशेष क्षेत्र में बहुत ज्यादा बारिश होने की संभावना दिखी, तो रेड अलर्ट भी जारी किया जाएगा।

ट्रंप ने यूएन महासभा में गिनाईं अमेरिकी उपलब्धियां, ईरान को चेताया और यूक्रेन युद्ध खत्म करने की बात कही

न्यूयॉर्क,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन की शुरुआत अमेरिकी घरेलू उपलब्धियों को गिनाते हुए की और बाद में ईरान, यूक्रेन, वेनेजुएला, क्यूबा, ग्रीनलैंड, नाटो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) जैसे मुद्दों पर अपनी सरकार का रुख रखा। ट्रंप ने आव्रजन नीति का उल्लेख करते हुए अमेरिका की दक्षिणी सीमा को पहले की तुलना में अधिक सुरक्षित बनाने का दावा किया। उन्होंने कर कटौती, शेयर बाजार और अपराध से जुड़े आंकड़ों को भी अपनी सरकार के रिकॉर्ड के हिस्से के तौर पर पेश किया। ईरान पर ट्रंप ने इस साल शुरू किए गए अमेरिकी सैन्य अभियान का बचाव किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए कार्रवाई की। ट्रंप ने तेहरान को समझौते का विकल्प देते हुए चेतावनी दी कि ऐसा नहीं होने पर अमेरिका कड़ी सैन्य कार्रवाई कर सकता है।

यूक्रेन युद्ध पर उन्होंने कहा कि वह रूस और यूक्रेन के नेताओं के साथ मिलकर संघर्ष खत्म कराने के प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब 'हत्या रोकने का समय' है और जरूरत पड़ने पर रूस पर नए प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं। लैटिन अमेरिका के संदर्भ में ट्रंप ने वेनेजुएला में अमेरिकी कार्रवाई और कैरेबियन तथा प्रशांत क्षेत्र में संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी करने वाली नौकाओं के खिलाफ अमेरिकी हमलों का बचाव किया। क्यूबा को लेकर उन्होंने वहां 'बुनियादी बदलाव' लाने की अपनी सरकार की नीति दोहराई। ग्रीनलैंड पर ट्रंप ने डेनमार्क के साथ एक नए समझौते का उल्लेख किया और कहा कि इसके तहत अमेरिका वहां अपनी सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करेगा तथा दो बड़े सैन्य अड्डे बनाएगा। एआई के मुद्दे पर ट्रंप ने नियमन को लेकर वैश्विक प्रयासों का विरोध किया और इसे 'सुपर इंटेलिजेंस' कहने की वकालत की। उन्होंने कहा कि अमेरिका एआई के क्षेत्र में चीन से आगे है और इस बढ़त को बनाए रखना चाहता है। संबोधन के आखिर में ट्रंप ने दुनिया के नेताओं से भय और संदेह के बजाय निर्णायक कदम उठाने का आह्वान किया और कहा कि उनका लक्ष्य दुनिया को अधिक सुरक्षित और बेहतर बनाना है।

नेपाल के विदेश मंत्री से मुलाकात में जापान ने आपदा राहत से दीर्घकालीन पुनर्निर्माण तक हरसंभव सहयोग का भरोसा दिया

काठमांडू,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने अमेरिका पहुंचे जापान के विदेश मंत्री तोशिमित्सु मोतेगी ने 21 सितंबर को नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल के साथ विदेश मंत्रियों की बैठक की। स्थानीय समयानुसार शाम 4:55 बजे शुरू हुई यह बैठक करीब 30 मिनट चली। बैठक में जापानी विदेश मंत्री मोतेगी ने नेपाल में आई विनाशकारी आपदा से हुई भारी क्षति पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के प्रति संवेदना जताते हुए उनके परिवारों और आपदा से प्रभावित लोगों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। उन्होंने आपदा प्रभावितों की सहायता के लिए नेपाल सरकार द्वारा किए जा रहे लगातार प्रयासों की भी सराहना की। मोतेगी ने कहा कि जापान आपातकालीन चरण से लेकर मध्यम और दीर्घकालीन अवधि तक नेपाल के आत्मनिर्भर प्रयासों को मजबूत करने के लिए सहयोग जारी रखेगा।

उन्होंने जापान की ओर से दी जा रही सहायता की जानकारी देते हुए बताया कि इसमें आपातकालीन राहत सामग्री, अंतरराष्ट्रीय और अन्य संगठनों के माध्यम से 30 लाख अमेरिकी डॉलर की आपातकालीन अनुदान सहायता, लापता लोगों की पहचान में मदद के लिए विशेषज्ञों की टीम और डीएनए परीक्षण उपकरण उपलब्ध कराना शामिल है। जापानी विदेश मंत्री ने कहा कि जापान नेपाल के साथ खड़ा है और लंबे समय से मित्र रहे नेपाल के लिए हरसंभव प्रयास करने का इरादा रखता है। बैठक में मोतेगी ने कहा कि इस वर्ष जापान और नेपाल के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना के 70 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि जापान ने लगातार नेपाल में लोकतंत्र के सुदृढ़ीकरण और राष्ट्र निर्माण में सहयोग किया है।

उन्होंने उम्मीद जताई कि नवंबर में नेपाल में आयोजित होने वाला 70वीं वर्षगांठ का समारोह 'नेपाल-जापान फेस्टिवल' दोनों देशों के मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने में योगदान देगा। मोतेगी ने यह भी कहा कि जापान नेपाल के शाह प्रशासन के साथ मिलकर विभिन्न पहलों को आगे बढ़ाते हुए उसके प्रयासों में सहयोग जारी रखेगा। इसमें जेआईसीए के माध्यम से नागढुंगा सुरंग परियोजना जैसे बुनियादी ढांचा विकास, घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देना और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा उपलब्ध कराने जैसे क्षेत्र शामिल हैं, ताकि नेपाल की आर्थिक वृद्धि को मजबूत किया जा सके। इसके जवाब में नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने फ्लैश फ्लड से हुई क्षति के बीच जापान सरकार और वहां की जनता की ओर से व्यक्त संवेदना एवं एकजुटता के लिए आभार जताया। खनाल ने कहा कि नेपाल के अधिकारी उन विदेशी नागरिकों, जिनमें जापानी नागरिक भी शामिल हैं, जिनका अभी तक पता नहीं चल पाया है, उनकी खोज और बचाव अभियान में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। विदेश मंत्री खनाल ने नेपाल के प्रति जापान सरकार और जनता द्वारा लंबे समय से किए जा रहे सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 70वीं वर्षगांठ के अवसर पर नेपाल-जापान द्विपक्षीय संबंधों को और विकसित करने की इच्छा है।

यूएन महासभा में गुटेरेस ने दुनिया में बढ़ते विभाजन पर जताई चिंता, बोले- दरारें अब खाइयों में बदलीं

न्यूयॉर्क,एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने दुनिया में बढ़ते भू-राजनीतिक विभाजन, असमानता और संघर्षों पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि दरारें अब खाइयों में बदल गई हैं। अपने वार्षिक संबोधन में उन्होंने कहा कि वैश्विक शक्ति व्यवस्था तेजी से बदल रही है और इसका असर अंतरराष्ट्रीय शांति, विकास तथा मानवाधिकारों पर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि दुनिया को प्रतिद्वंद्वी गुटों में बंटने के बजाय साझा नियमों और सहयोग पर आधारित व्यवस्था की ओर बढ़ना चाहिए।

गुटेरेस ने मध्य पूर्व, यूक्रेन, सूडान और म्यांमार के संघर्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि संघर्ष विराम के बावजूद आम नागरिकों की पीड़ा समाप्त नहीं हुई है। उन्होंने गाजा के संबंध में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेशों के पालन और वेस्ट बैंक में बस्तियों के विस्तार पर चिंता जताई। साथ ही रूस के यूक्रेन पर हमले को संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन बताया। गुटेरेस ने कहा कि दुनिया को कमजोर संयुक्त राष्ट्र नहीं, बल्कि मौजूदा चुनौतियों का सामना करने में सक्षम और मजबूत यूएन की जरूरत है। उन्होंने कहा कि शक्ति का इस्तेमाल दूसरों पर प्रभुत्व जमाने के लिए नहीं, बल्कि सभी के लिए बेहतर भविष्य बनाने में होना चाहिए। उन्होंने वैश्विक असमानता को भी सत्ता और अवसर के असंतुलन से जोड़ा तथा विकासशील देशों के लिए कर्ज राहत और बेहतर वित्तीय व्यवस्था की वकालत की। उन्होंने गाजा में अंतरराष्ट्रीय न्यायालय के आदेशों के पालन की अपील की और पश्चिमी तट में इजराइली बस्तियों के विस्तार को दो-राष्ट्र समाधान के लिए गंभीर खतरा बताया। रूस के यूक्रेन पर हमले को उन्होंने संयुक्त राष्ट्र चार्टर का उल्लंघन कहा। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते प्रभाव पर गुटेरेस ने चेताया कि जवाबदेही और निगरानी के बिना तकनीक खतरनाक हो सकती है। उन्होंने कहा कि किलर रोबोट का हमारे भविष्य में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। साथ ही उन्होंने एआई के लिए स्वतंत्र निगरानी वाला वैश्विक ढांचा बनाने की मांग की।

एक नजर

उत्तराखंड के 98 शहरों का होगा सुनियोजित विकास, जल्द तैयार होंगे मास्टर प्लान

देहरादून,एजेंसी। उत्तराखंड में सुनियोजित और दीर्घकालीन शहरी विकास के लिए 98 महायोजनाएं तैयार की जा रही हैं। इनमें अमृत-1 के तहत सात, अमृत-2 के तहत 23 और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत सात क्लस्टरों में 65 नगर निकायों की महायोजनाएं शामिल हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रदेश के सुनियोजित और दीर्घकालीन शहरी विकास को बढ़ावा देने के लिए मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। इनके माध्यम से ट्रैफिक जाम, अवैध निर्माण और अव्यवस्थित शहरीकरण से निपटने में मदद मिलेगी और आम जनता को बेहतर सड़कें और अन्य सुविधाएं उपलब्ध होंगी। मुख्यमंत्री घोषणा के तहत भी तीन महायोजनाएं तैयार की जा रही हैं। सभी महायोजनाओं को वर्ष 2041 और 2045 के दीर्घकालीन विकास लक्ष्यों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है। देहरादून, हरिद्वार, रुड़की, रुद्रपुर, काशीपुर, नैनीताल और हल्द्वानी को अमृत-1 में शामिल किया गया है। अमृत-2 के तहत कोटद्वार, श्रीनगर, पौड़ी, जसपुर, नगला, खटीमा, किच्छा, बाजपुर, सितारगंज, गदरपुर, रामनगर, मंगलौर, लक्सर, टनकपुर, गोपेश्वर, ऋषिकेश, डोईवाला, विकासनगर, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, बागेश्वर, उत्तरकाशी और टिहरी के मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। महायोजनाओं की प्रमुख विशेषता जीआईएस आधारित प्लानिंग है। सरकार के अनुसार उत्तराखंड देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जहां द्वितीय और तृतीय श्रेणी के निकायों के लिए भी जीआईएस आधारित मास्टर प्लान तैयार किए जा रहे हैं। इससे भूमि उपयोग के बेहतर नियोजन, अवैध निर्माण पर नियंत्रण, यातायात प्रबंधन, ड्रेनेज और आपदा प्रबंधन में मदद मिलने की उम्मीद है। विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप विकास, पर्यटन को बढ़ावा, स्थानीय स्तर पर आर्थिक अवसरों का सृजन, भौतिक एवं सामाजिक अवस्थापना सुविधाओं का विस्तार और पर्यावरण संरक्षण को योजनाओं में प्राथमिकता दी जा रही है। आवास सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप महायोजनाओं में भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नियोजित विकास पर फोकस किया गया है। इनके माध्यम से संबंधित विकास कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने में मदद मिलेगी। महायोजनाएं तैयार करने में स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए) नई दिल्ली, एसपीए भोपाल, एनआईटी कालीकट, एनआईटी सूरत और एमएनआईटी जयपुर समेत विशेषज्ञ संस्थानों की मदद ली जा रही है।

गाजियाबाद समेत विभिन्न जनपदों में 12 रियल एस्टेट परियोजनाओं को यूपी रेरा ने दी मंजूरी

नोएडा, एजेंसी। उत्तर प्रदेश भू-संपदा विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) ने गाजियाबाद समेत छह जिलों की 12 रियल एस्टेट परियोजनाओं को आज मंजूरी दी है। इनमें 3090 फ्लैट और दुकानों का निर्माण किया जाएगा, जिसमें 1663.85 करोड़ रुपये का निवेश आएगा। यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने बताया कि लखनऊ में कुल चार परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इनमें दो आवासीय, एक व्यावसायिक और एक मिश्रित परियोजना शामिल है। इन परियोजनाओं में कुल 609.35 करोड़ का अनुमानित निवेश होगा और 1972 आवासीय एवं व्यावसायिक इकाइयों का निर्माण किया जाएगा।

गाजियाबाद में कुल तीन आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं में कुल 605.06 करोड़ का अनुमानित निवेश होगा। इनके माध्यम से 574 आवासीय इकाइयों का विकास किया जाएगा। हापुड़ में दो आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन परियोजनाओं में कुल 23.45 करोड़ का अनुमानित निवेश होगा और 192 आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। अयोध्या में 72.61 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश वाली एक आवासीय परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना के तहत 85 आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। प्रयागराज में एक आवासीय परियोजना को मंजूरी दी गई है। इसमें 51.66 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश होगा और 109 आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा। कानपुर में भी एक आवासीय परियोजना को मंजूरी दी गई है। इस परियोजना में 201.72 करोड़ रुपये का अनुमानित निवेश होगा और 158 आवासीय इकाइयों का निर्माण किया जाएगा।

धार्मिक पर्यटन से रोजगार और स्थानीय उत्पादों को बाजार मिलेगा: पुष्कर धामी

नैनीताल,एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को कहा कि राज्य में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार, महिलाओं के लिए स्वरोजगार और स्थानीय उत्पादों के लिए व्यापक बाजार के अवसर बढ़ेंगे। श्री धामी नैनीताल में मां नंदा-सुनंदा महोत्सव में शामिल होने के बाद संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नंदा देवी महोत्सव उत्तराखंड की आस्था, संस्कृति और परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण आयोजन है। सरकार ''विकास भी और विरासत भी'' के मंत्र के साथ प्रदेश के विकास और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण पर काम कर रही है।

उन्होंने कहा कि केदारखंड की तर्ज पर कुमाऊं क्षेत्र में मानसखंड मंदिर माला मिशन के तहत प्रमुख पौराणिक एवं धार्मिक स्थलों को विकसित किया जा रहा है। मां नैना देवी, कैंची धाम और मुक्तेश्वर सहित धार्मिक स्थलों के विकास से क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को गति मिलने की उम्मीद है। श्री धामी ने कहा कि नैनीताल जिले में स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क, पर्यटन और कनेक्टिविटी जैसी आधारभूत सुविधाओं को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। सरकार का प्रयास है कि पहाड़ के लोगों को बेहतर सुविधाओं के लिए दूर न जाना पड़े और विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि देवभूमि की भूमि, संसाधनों और सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा भी सरकार की प्राथमिकता है। वर्ष 2025 में किए गए संशोधन के तहत 11 पर्वतीय जिलों में बाहरी राज्यों के लोगों द्वारा कृषि एवं उद्यान श्रेणी की भूमि खरीद पर रोक का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में समान नागरिक संहिता 27 जनवरी 2025 से प्रभावी है। उन्होंने बताया कि सरकारी भर्तियों में पारदर्शिता के लिए नकल विरोधी कानून लागू किया गया है और अब तक 35 हजार युवाओं को सरकारी सेवाओं में अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि महिला स्वयं सहायता समूहों को पांच लाख रुपये तक का ब्याजमुक्त ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। स्थानीय उत्पादों की बिक्री के लिए उचित बाजार और बेहतर स्थान उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं। इससे पहले मुख्यमंत्री ने मां नंदा-सुनंदा की पूजा-अर्चना और आरती में भाग लिया तथा प्रदेशवासियों की सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री राम सिंह कैड़ा, विधायक सरिता आर्या, मंडलायुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. मंजूनाथ टीसी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सीतारमण ने भारतीय उद्योग जगत से कंपनियों के निर्माण पर ध्यान देने को कहा

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को भारतीय उद्योग जगत से केवल कारोबार का विस्तार करने के बजाय मजबूत, टिकाऊ और बेहतर संचालन वाली कंपनियों के निर्माण पर ध्यान देने को कहा। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए उद्योग को इस दिशा में आगे बढ़ना होगा। नई दिल्ली में ऑल इंडिया मैनेजमेंट एसोसिएशन (एआईएमए) के 53वें नेशनल मैनेजमेंट कन्वेंशन को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में सकल स्थिर पूंजी निर्माण हमारी जीडीपी के 34 फीसदी से अधिक हो गया है।

अब भारतीय उद्योग को ऐसे संस्थान और कंपनियां बनानी चाहिए, जिनमें बड़े पैमाने के साथ ही टिकाऊपन, बेहतर गुणवत्ता, अच्छा संचालन और मजबूत प्रौद्योगिकी क्षमता हो। सीतारमण ने कहा कि सरकार ने निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिए सोच-समझकर सार्वजनिक पूंजीगत खर्च को बढ़ाया है। इसका असर पूंजी निर्माण में वृद्धि, विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन क्षमता के बेहतर उपयोग तथा उद्योगों को बैंक कर्ज में बढ़ोत्तरी के रूप में दिखाई दे रहा है। उन्होंने भारतीय उद्योग जगत से आग्रह किया कि वे केवल बड़े पैमाने के बजाय गुणवत्ता, अनुसंधान और विकास तथा गवर्नेंस को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि उद्योग जगत को मिलने वाले बैंक कर्ज में भी तेजी आई है और जून में इसमें सालाना आधार पर 19 फीसदी की वृद्धि हुई है। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि जरूरतमंद क्षेत्रों तक कर्ज पहुंच रहा है। सरकार के मुक्त व्यापार समझौते भारत के श्रम-प्रधान वस्तुओं और सेवाओं के लिए नए बाजार के अवसर खोल रहे हैं। उन्होंने कारोबारी क्षेत्र से इस अवसर का लाभ उठाने का आग्रह किया है। सीतारमण ने कहा कि वैश्विक आर्थिक वृद्धि की रफ्तार तीन फीसदी से नीचे रहने के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था लगभग आठ फीसदी की दर से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि दो सितंबर को जापान क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने स्थिर परिदृश्य के साथ भारत की दीर्घकालिक विदेशी मुद्रा और स्थानीय मुद्रा जारीकर्ता रेटिंग को 'बीबीबी प्लस' से बढ़ाकर 'ए माइनस' कर दिया है। उन्होंने कहा कि 35 साल से अधिक समय में यह पहली बार है, जब भारत को 'ए' श्रेणी की रेटिंग मिली है।

स्टॉक मार्केट में शक्ति पॉलीटार्प की कमजोर शुरुआत, घाटे में रहे आईपीओ निवेशक

नई दिल्ली,एजेंसी। प्लास्टिक तिरपाल और पैकेजिंग फैब्रिक बनाने वाली कंपनी शक्ति पॉलीटार्प के शेयरों ने आज स्टॉक मार्केट में आज मामूली गिरावट के साथ कारोबार की शुरुआत की। आईपीओ के तहत कंपनी के शेयर 59 रुपये के भाव पर जारी किए गए थे। आज बीएसई के एसएमई प्लेटफॉर्म पर इसकी लिस्टिंग 10 पैसे के डिस्काउंट के साथ 58.90 रुपये के स्तर पर हुई।

कमजोर लिस्टिंग के बाद बिकवाली शुरू हो जाने के कारण ये शेयर लुढ़क कर 56.36 रुपये के स्तर तक गिर गया। हालांकि थोड़ी देर बाद ही खरीदारी शुरू हो जाने के कारण इसकी स्थिति में सुधार होने लगा। लिवाली के सपोर्ट से ये शेयर कुछ देर में ही सुधर कर हरे निशान में 61.40 रुपये के स्तर पर पहुंच गया। इसके बाद एक बार फिर बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये शेयर गिर कर 58.45 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इस तरह पहले दिन के कारोबार में कंपनी के आईपीओ निवेशकों को प्रति शेयर 55 पैसे यानी 0.93 प्रतिशत का नुकसान हो गया। इस कंपनी का 26.93 करोड़ रुपये का आईपीओ 15 से 17 सितंबर के बीच सब्सक्रिप्शन के लिए खुला था। इस आईपीओ को निवेशकों की ओर से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था, जिसके कारण ये ओवरऑल 11.87 गुना सब्सक्राइब हुआ था। इनमें क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल बायर्स (क्यूआईबी) के लिए रिजर्व पोर्शन 49.22 गुना (एक्स एंकर) सब्सक्राइब हुआ था। इसी तरह नॉन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स (एनआईआई) के लिए रिजर्व पोर्शन में 5.43 गुना सब्सक्रिप्शन आया था। इसके अलावा रिटेल इन्वेस्टर्स के लिए रिजर्व पोर्शन 4.12 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

इस आईपीओ के तहत 10 रुपये फेस वैल्यू वाले कुल 45.64 लाख नए शेयर जारी किए गए हैं। आईपीओ में शेयरों की बिक्री से जुटाए गए पैसे का इस्तेमाल कंपनी वर्किंग कैपिटल की जरूरतों को पूरा करने, पुराने कर्ज के बोझ को हल्का करने, आईपीओ से जुड़े खर्चों की भरपाई करने और आम कॉरपोरेट उद्देश्यों में करेगी। शक्ति पॉलीटार्प की वित्तीय स्थिति की बात करें तो कैपिटल मार्केट रेगुलेटर सेबी के पास जमा कराए गए रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में किए गए दावे के मुताबिक इसकी वित्तीय सेहत लगातार मजबूत हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी को 98 लाख रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 4.97 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गया। वहीं, पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 10.06 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। इस दौरान कंपनी की राजस्व प्राप्ति में भी बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 में इसे 62.23 करोड़ रुपये का कुल राजस्व प्राप्त हुआ, जो वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 166.50 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया। पिछले वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी को 216.10 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ था। इस अवधि में कंपनी पर लदे कर्ज के बोझ में भी लगातार बढ़ोतरी हुई। वित्त वर्ष 2023-24 के अंत में कंपनी पर 23.26 करोड़ रुपये के कर्ज का बोझ था, जो अगले वित्त वर्ष 2024-25 में बढ़ कर 48 करोड़ रुपये के स्तर पर आ गया।

उत्तराखंड में 25 साल बाद भी न पलायन रुका, न रोजगार मिला : अखिलेश यादव

लखनऊ,एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उत्तराखंड की भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य अपनी रजत जयंती मना रहा है, लेकिन जिन उम्मीदों और उद्देश्यों के साथ उत्तराखंड का गठन हुआ था, वे आज भी अधूरे हैं। उन्होंने कहा कि न पलायन रुका, न युवाओं को पर्याप्त रोजगार मिला और न ही जल, जंगल और जमीन के संरक्षण की दिशा में अपेक्षित काम हुआ। सपा के प्रदेश कार्यालय में मंगलवार को उत्तराखंड के पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि रोजगार के अभाव में उत्तराखंड से लगातार पलायन हो रहा है। मानव-वन्यजीव संघर्ष में लोगों की जान जा रही है और सामाजिक न्याय के मामले में भी राज्य की स्थिति चिंताजनक है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने उत्तराखंड की जनता से जो वादे किए थे, उनमें से पांच प्रतिशत भी पूरे नहीं किए गए। अखिलेश यादव ने कहा कि बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को जवाब देना चाहिए। उन्होंने महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए अंकिता भंडारी हत्याकांड का भी उल्लेख किया और कहा कि बेटियों को न्याय दिलाने के सवाल पर सरकार को जवाब देना होगा।

'देवभूमि के संसाधनों का हो रहा दोहन'

अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तराखंड देवभूमि है और उत्तर प्रदेश से उसका रिश्ता केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सामाजिक और भावनात्मक भी है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के लोग बहादुर और संघर्षशील हैं। चंद्र सिंह गढ़वाली जैसे वीरों का इतिहास आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता है। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार के कार्यकाल में उत्तराखंड का संतुलित विकास प्रभावित हुआ है और प्राकृतिक संसाधनों का दोहन बढ़ा है। सपा अध्यक्ष ने कहा कि उनकी पार्टी उत्तराखंड में ऐसा विकास चाहती है, जिसमें रोजगार, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण और स्थानीय लोगों के हितों के बीच संतुलन कायम हो।

'सपा सरकार बनी तो उत्तराखंड के विकास को मिलेगी गति'

अखिलेश यादव ने कहा कि वर्ष 2027 में उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर उत्तराखंड के विकास से जुड़े कार्यों को भी गति दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड का विकास उत्तर प्रदेश से गहराई से जुड़ा है और उत्तर प्रदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु तथा पर्यटक वहां जाते हैं। उन्होंने कहा कि सपा की सरकार बनने पर उत्तराखंड में श्रद्धालुओं की सुविधा और आवासीय व्यवस्था के लिए उत्तर प्रदेश पर्यटन की तर्ज पर एक हजार करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। केदारनाथ क्षेत्र के विकास के लिए 500 करोड़ रुपये देने की भी घोषणा की। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में पर्यटकों की सुविधाओं का विस्तार करने के साथ धार्मिक, सामाजिक और आर्थिक विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम किया जाएगा। बैठक के अंत में अखिलेश यादव ने उत्तराखंड से आए पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का आभार जताया। इस दौरान उन्होंने अल्मोड़ा के धियाड़ी वसूली गांव की दिव्यांग छात्रा निशा मेहता, पुत्री मोहन सिंह मेहता तथा जागेश्वर धाम, अल्मोड़ा और दून विश्वविद्यालय के टॉपर वैभव बड़थ्वाल, पुत्र विनोद बड़थ्वाल को लैपटॉप प्रदान किए। पार्टी के अनुसार, उत्तराखंड के प्रख्यात समाजवादी नेता रहे विनोद बड़थ्वाल की पत्नी और सपा नेता आभा बड़थ्वाल दोनों टॉपर छात्रों के घर जाकर उन्हें लैपटॉप प्रदान करेंगी।

करम पर्व पर करम डाली और लाल पाढ साडी से जगमग हुआ झारखंड

रांची,एजेंसी। करम पर्व पर करम डाली और लाल पाढ साडी से पूरा राज्य मंगलवार को जगमग हो गया। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में करम पर्व धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर भाई-बहनों ने अखड़ा की आकर्षक सजावट और विद्युत सज्जा की। करम पर्व में पूजा-अनुष्ठान शाम में शुरू हुई। बहनों ने उपवास रखकर विधिपूर्वक करम देवता की पूजा की। वहीं भाईयों ने करम डाल काटकर नाचते-गाते हुए अखड़ा तक लाया, जहां बहनों ने नाचते-गाते हुए उनका स्वागत किया और पाहन के जरिये करम देव को अखड़ा में स्थापित किया। इसके बाद जावा फूल को रखा गया। बाद में विभिन्न अखडा में पाहनों ने विधिपूर्वक पूजा-अर्चना कराई और करम-धरम की कथा सुनाई। पूजा करने के बाद प्रसाद और जावा फूल का वितरण किया गया। इसके बाद अखड़ा की परिक्रमा करते हुए श्रद्धालुओं ने मांदर, ढोलक और नगाड़ों की धुनों पर देर रात तक करम गीतों पर नृत्य किया वहीं करम पर्व को लेकर सभी लोग पारंपरिक वेशभूषा में शामिल हुए। चारों ओर पारंपरिक वाद्ययंत्रों की गूंज सुनाई दे रही थी।

इस संबंध में जगलाल पाहन ने बताया कि करम पर्व प्रकृति और कृषि से गहराई से जुड़ा हुआ है। पर्व की शुरुआत जावा उठाने की परंपरा से की गई। आदिवासी बहनें नदी और तालाब से बालू लाकर उसमें मक्का, जौ, धान, तीसी, उड़द सहित आठ-नौ प्रकार के अनाज के बीज डालती हैं। उपवास रखकर जावा उठाया जाता है। इसी दिन से कई लोग सादा भोजन ग्रहण करते हैं। अखड़ा में जावा को जगाने और उसकी देखभाल की परंपरा भी निभाई जाती है। जावा को अन्न और अच्छी फसल का प्रतीक माना जाता है। पर्व के दौरान जावा की पूजा और देखभाल के माध्यम से बेहतर कृषि उपज की कामना की जाती है। पौधों के उगने के बाद उन्हें पड़ोसियों के बीच बांटने की परंपरा भी रही है। करम पूजा के दौरान बहनों ने अपने भाइयों की लंबी उम्र, सुख और समृद्धि की कामना की। कई क्षेत्रों में भाइयों की कलाई पर करम डोर बांधने की परंपरा भी देखने को मिली। पूजा के बाद जावा को प्रसाद के रूप में बांटा गया और महिलाएं इसे अपने बालों में भी लगाई। करमा पूजा के दौरान कर्मा-धर्मा की कथा सुनाने की परंपरा है। लोककथा के अनुसार कर्मा और धर्मा दो भाई थे। कर्मा मेहनत और कर्म को महत्व देता था, जबकि धर्मा पूजा-पाठ और धार्मिक आचरण में विश्वास रखता था। कथा के अनुसार कर्मा के परदेश से लौटने पर उसने घर और गांव के लोगों को करम वृक्ष के नीचे पूजा और नाच-गाने में व्यस्त देखा। अपने स्वागत न होने से वह नाराज हो गया और क्रोध में करम डाली को उखाड़कर नदी में फेंक दिया।

इसके बाद परिवार पर संकट आने लगा। धन-संपत्ति खत्म हो गई और जीवन कठिनाइयों से भर गया। अपनी गलती का एहसास होने पर कर्मा करम देवता की खोज में निकल पड़ा। उसे करम डाली वापस मिली। उसने क्षमा मांगी और उसे सम्मानपूर्वक स्थापित कर पूजा की। इसके बाद उसके जीवन में फिर सुख-समृद्धि लौट आई। कथा का मूल संदेश प्रकृति के सम्मान, अच्छे कर्म और अपनी भूल को स्वीकार करने से जुड़ा है। यही कारण है कि करमा की रात सिर्फ पूजा नहीं होती, बल्कि लोककथाओं के जरिए नई पीढ़ी को परंपरा और जीवन-मूल्यों से भी जोड़ा जाता है। करमा से जुड़ी एक दूसरी लोककथा सात भाइयों और करम रानी की है। सात भाई खेती करते थे। एक दिन उनकी पत्नियां खेत में खाना पहुंचाने के बजाय करमा पूजा और नृत्य में शामिल हो गईं। भूखे भाई घर लौटे और गुस्से में करम डाली को उखाड़कर नदी में बहा दिया। इसके बाद परिवार पर संकट आने लगा। जब भाइयों को अपनी गलती का एहसास हुआ तो उन्होंने करम देवता को फिर स्थापित किया और विधि-विधान से पूजा की। इसके बाद उनके जीवन में खुशहाली लौट आई। अलग-अलग इलाकों में कथा के स्वरूप और पात्रों में अंतर मिल सकता है, लेकिन प्रकृति के सम्मान और अच्छे कर्म का संदेश लगभग समान रहता है। झारखंड में करमा पर्व का एक प्रमुख पक्ष भाई-बहन के रिश्ते से जुड़ा है। बहनें भाइयों की लंबी उम्र और सुख-समृद्धि की कामना करती हैं। साथ ही यह पर्व कृषि और प्रकृति से भी गहराई से जुड़ा है। जावा में उगाए गए अनाज, करम वृक्ष की पूजा और अच्छी फसल की कामना ग्रामीण जीवन की तस्वीर पेश करते हैं। गांवों में करमा का मुख्य केंद्र अखरा होता है। यहां पूरा समुदाय एक साथ जुटता है। पूजा के बाद गीत और नृत्य का दौर शुरू होता है। शहरों में भी अब सामुदायिक मैदानों, मोहल्लों और सांस्कृतिक आयोजनों के जरिए करम पर्व की परंपरा को आगे बढ़ाया जा रहा है।

एसईसीआई स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य को प्राप्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाती रहेगी : श्रीपाद येसो नाइक

नई दिल्ली,एजेंसी। केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्यमंत्री श्रीपाद येसो नाइक ने सोमवार को कहा कि सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एसईसीआई) स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्य को प्राप्त करने में केंद्रीय भूमिका निभाती रहेगी। श्रीपाद येसो नाइक ने नई दिल्ली में एसईसीआई के 15वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित हितधारकों की बैठक में यह बात कही। नाइक ने बतौर मुख्य अतिथि अपने संबोधन में कहा कि सोलर एनर्जी कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड का 15 वर्ष का सफर वैश्विक स्तर पर अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व और एक स्थायी ऊर्जा भविष्य के प्रति देश की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

नाइक ने कहा कि एसईसीआई ने देश के स्वच्छ ऊर्जा विजन को लगातार साकार किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि निगम इसकी प्राप्ति की दिशा में केंद्रीय भूमिका भी निभाता रहेगा। कार्यक्रम में नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ सीईए के अध्यक्ष घनश्याम प्रसाद, मंत्रालय के अपर सचिव मयंक तिवारी और आईएनओएक्सजीएफएल समूह के अध्यक्ष विवेक जैन भी उपस्थित थे। एसईसीआई ने अपने 15 वर्षों की सेवा के दौरान राष्ट्र के लिए महत्वपूर्ण योगदान किया है। इस अवधि में कंपनी ने तृतीय-पक्ष डेवलपर्स की सहायता से 41 गीगावाट से अधिक नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित की है। इसके अलावा कंपनी ने विभिन्न डिस्कॉम और उपभोक्ताओं के साथ 67 गीगावाट से अधिक बिजली बिक्री समझौते भी किए हैं और लगभग 3.6 लाख करोड़ रुपये का बाजार निवेश सक्षम किया है। इसके अलावा कंपनी अपने स्वयं के प्रोजेक्ट पोर्टफोलियो का भी तेजी से विस्तार कर रही है और ऊर्जा भंडारण, हरित हाइड्रोजन और संबंधित क्षेत्रों को बढ़ावा देने में भी सक्रिय है। 20 सितंबर 2011 को निगमित हुई एसईसीआई एक नवरत्न सीपीएसई है, जो नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के तहत आती है।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)